हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 328, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 22 मई, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

जी-7 सम्मेलन में परोक्ष रूप से चीन पर निशाना साध गए पीएम मोदी

यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की किसी भी कोशिश का विरोध होना चाहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने बयान में कहा कि यूक्रेन की मौजूदा स्थिति कोई राजनीति या आर्थिक मुद्दा नहीं है बल्कि यह एक मानवीय मुद्दा मानवीय मूल्यों का मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में परोक्ष रूप से चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की किसी भी कोशिश का विरोध होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कही ये बातें- जी-7 के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोई भी विवाद और तनाव की स्थिति को शांतिपूर्वक तरीके से बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध का जिक्र करते हुए बताया कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से सुलझाया ना जा सके। भगवान बुद्ध ने शत्रुता को बातचीत से खत्म करने की बात कही थी और हमें भी इसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

'यूक्रेन की हरसंभव मदद करेंगे'- जी-7 की बैठक से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी बात की। यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन की मदद के लिए भारत जो संभव होगा, वो सब करेगा। जी-7 के सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध पर काफी फोकस रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम शुरूआत से ही कहते रहे हैं कि बातचीत और कूटनीति के जरिए आज किसी भी समस्या को सुलझाया जा सकता है। यूक्रेन संकट में भी भारत मदद करने की कोशिश करेगा।

चीन पर साधा निशाना- पीएम मोदी ने अपने संबोधन में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि सभी देश यथास्थिति बदलने के खिलाफ एकसुर में आवाज उठाएं। भारत का सीमा पर चीन के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है और दोनों देश सीमा विवाद में उलझे हुए हैं। ऐसे में पीएम मोदी के उक्त बयान को चीन पर परोक्ष रूप से निशाना माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी विवाद का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकाला जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति का विकासशील देशों पर बुरा असर पड़ रहा है। मौजूदा संकट के चलते खाने, तेल और फर्टिलाइजर का संकट बढ़ा है, खासकर विकासशील देश इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

'आतंकी हमले में आज तक कोई भाजपा नेता नहीं मरा', राजीव गांधी को याद करते हुए सिद्धारमैया की फिसली जबान

नई दिल्ली। राजीव गांधी की पुन्यतिथि पर कर्नाटक के नए सीएम सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार पर जमकर तंज कसे। लोगों को संबोधित करते हुए कर्नाटक सीएम की जबान फिसल गई और उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कस दिया। सिद्धारमौया ने कहा- "पीएम मोदी सिर्फ आतंकवाद पर बात करते हैं, लेकिन आजतक एक भी भाजपा का नेता आतंकवादी हमले में मारा नहीं गया है। भाजपा लगातार कहती रहती हौ कि हम आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं लेकिन हमारे कांग्रेसी नेता इंदिरा गांधी और राजीव गांधी दोनों ही आतंकवादी हमले का शिकार हुए थे।" सीएम के भाषण के बाद कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार बंगलुरु पार्टी कैडर को संबोधित करते हुए राज्य में सरकार बनने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी है। राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 135 से ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद शिवकुमार इस प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा- "हमने विधानसभा चुनाव में 135 से ज्यादा सीटें जीती, लेकिन मैं इससे खुश नहीं हूं। मेरे या सिद्धारमैया के घर मत आना। हमारा अगला लक्ष्य लोकसभा चुनाव है और इसके लिए हमें अच्छे से लड़ना चाहिए।" बता दें कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटें जीतकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब रही।

यूपी में 2 दिन हीटवेब का अलर्ट, वाराणसी में 43 डिग्री तक पहुंचा पारा, संभलकर रहने की सलाह

कानपुर। यूपी में चिलचिलाती गर्मी के बीच अब अगले दो दिनों तक लू के थपेड़े चलेंगे। मौसम विभाग ने दो दिनों का अलर्ट जारी करते हुए घर से संभलकर निकलने की सलाह दी है। कानपुर में पारा 40 तो वाराणसी में 43 पहुंच गया है। लखनऊ में भी पारा 42 के ऊपर जाने के संकेत हैं। ऐसे में लोगों को लू और गर्मी से बचाव करने की सलाह दी गई है।

सप्ताह भर से कानपुर का तापमान ऊपर - नीचे हो रहा है लेकिन लगातार बदलाव से मौसम में गर्मी बढ़ने के संकेत हैं। शनिवार को भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अगले दो दिन कानपुर व आस-पास के क्षेत्रों में गर्म हवा चलने के आसार हैं। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच सकता है। कानपुर में अधिकतम तापमान बुधवार 17 मई को 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था। इससे पहले 14 मई को तापमान 40 डिग्री पर था। बीच के दिनों में तापमान 38 से 40 के बीच में घूमता रहा है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार मौसम में तीव्र बदलाव हो रहा है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं लेकिन इसका असर 23 मई से होने की संभावना है। तब तक कानपुर व आस-पास के क्षेत्रों विशेषकर बुन्देलखंड में मौसम पूरी तरह से गर्म बना रहेगा। लू चलने की भी पूरी संभावना बनी हुई है। इसलिए अगले दो दिन लोगों को संभलकर रहने की जरूरत है। दोपहर के समय धूप में बिल्कुल न निकलें। मौसम का उतार-चढ़ाव भी मनुष्य व जीव-जन्तुओं के लिए बेहद प्रतिकूल है।

अभी दो दिन झेलनी होगी प्रचंड धूप- वाराणसी में बढ़ते तापमान ने प्रचंड रूप ले लिया है। शनिवार को यह 43 डिग्री सेल्सियस के निकट (42.7 डिग्री सेल्सियस) पहुंच गया। इसने वातावरण से नमी भी सोख ली। तपन व आंच का प्रभाव काफी तीक्ष्ण हो गया। अधिकतम तापमान में बीते 24 घंटे की अपेक्षा 1.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। यह सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ऊपर चला गया। इसके विपरीत न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस कम होकर सामान्य से दो डिग्री नीचे चला गया। नतीजा आर्द्रता बीते 24 घंटे में तीन से आठ प्रतिशत घटकर 21 से 34 प्रतिशत पर आ गई।

परसों दोपहर बाद से बदल सकता मौसम का मिजाज- इससे दिन दहक उठा, दिशाएं जलने लगीं और धरती आग उगल रही है। चिलचिलाती धूप के चलते कमरे भट्ठी की तरह गर्म हो गए।रविवार को तापमान और बढ़ने तो सोमवार तक 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मानें तो मंगलवार से बढ़ते तापमान पर ब्रेक लग सकता है। मौसम थोड़ा सुहाना होने के साथ धूल भरी आंधी और बूंदाबांदी हो सकती है, लेकिन उमस भरी चिपचिपी गर्मी का भी सामना करना पड़ सकता है।

'नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम नहीं, राष्ट्रपति करें', राहुल गांधी की सरकार से अपील

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन से पहले केंद्र सरकार से एक अपील की है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नए संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री को। बता दें कि तय कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं।

कांग्रेस का पीएम पर हमला- कांग्रेस ने नए संसद भवन को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे पीएम मोदी का वैनिटी प्रोजेक्ट बताया है। बता दें कि नया संसद भवन एक त्रिकोणीय आकार की चार मंजिला इमारत के रूप में बना है और 64,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है।

कई विपक्षी नेता जता चुके आपत्ति- कई विपक्षी नेताओं ने पीएम मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन करने पर अपनी आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया कि पीएम मोदी सरकार के प्रमुख हैं न कि विधायिका के प्रमुख। अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पूछा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति इसका उद्घाटन क्यों नहीं करेंगे। ओवैसी ने कहा कि हमारे पास शक्तियों का पृथक्करण है और लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्ष द्वारा संसद का उद्घाटन किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि यह जनता के पैसे से बनाया गया है न कि खुद के पैसे से, पीएम अपने दोस्तों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

ओम बिरला ने पीएम को दिया है आमंत्रण- लोकसभा सचिवालय के अनुसार स्पीकर ओम बिरला ने इस सप्ताह पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें नए भवन का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया। 28 मई को हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर की जयंती है।

बिना किसी फॉर्म और आईडी प्रूफ के बदल सकेंगे 2000 के नोट, एसबीआई ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक की ओर से 2000 के नोट बदलने को लेकर एक नोटिस जारी किया गया है। इसमें कहा गया कि 20,000 रुपये तक या 2000 रुपये के 10 नोट बदलने के लिए किसी भी प्रकार के फॉर्म या स्लिप भरने की आवश्यकता नहीं होगी। इसका मतलब यह कि आप एसबीआई की किसी भी शाखा में जाकर आसानी से बिना कोई फॉर्म भरे 2,000 रुपये का नोट को एक्सचेंज करा सकते हैं। बैंक की ओर से जारी नोटिस में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि 20,000 मूल्य तक 2,000 रुपये के नोट बदलवाते समय आपको किसी भी प्रकार की आईडी प्रूफ की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे में ग्राहकों को नोट एक्सचेंज कराते समय किसी भी प्रकार का आईडी प्रूफ ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से 19 मई, 2023 की शाम को 2000 रुपये का नोट वापस लेने की घोषणा की कई गई थी। केंद्रीय बैंक द्वारा कहा गया था कि नोट वापस लेने के बाद भी लीगल टेंडर रहेगा। आम जनता

23 मई से लेकर 30 सितंबर तक अपने आप मौजूद 2,000 रुपये के नोट को एक्सचेंज करा सकती है। आरबीआई की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि एक बार एक व्यक्ति अधिकतम 20,000 रुपये या 2,000 रुपये के अधिकतम 10 नोट एक्सचेंज करा सकता है।

मैं तब तक नही लड़ूंगी विधानसभा चुनाव, जब तक 370 ना हो जाए फिर से बहाल : महबूबा मुफ्ती

बेंगलुरु। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर बड़ी घोषणा की है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैं तब तक विधानसभा चुनाव नही लड़ूंगी, जब तक 370 फिर से बहाल ना हो जाए। उन्होंने कहा कि मुझे भविष्य में विधानसभा चुनाव होते नहीं दिख रहे हैं। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि G-20 देश का इवेंट है, लेकिन बीजेपी ने इसे हाईजैक कर लिया है, उन्होंने लोगो को कमल के फूल से बदल दिया है, ये लोगो देश से जुड़ा होना चाहिए था। ये पूरे देश का इवेंट हैं। उन्होंने कहा-ये किसी पार्टी का इवेंट नहीं है, ये सार्क देशों का सम्मेलन है, जो इस क्षेत्र में हमारे देश के नेतृत्व को स्थापित करेगा। बेंगलुरू में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस पार्टी को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विचार के अस्तित्व के लिए अन्य पार्टियों की तुलना में कांग्रेस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वहीं, महबूबा मुफ्ती के बयान पर कुमार विश्वास ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि महबूबा मुफ्ती के इस निर्णय का हम दिल से स्वागत करते हैं। आप बस अंतिम सांस तक अपने इस निर्णय पर टिकी रहना। अपने बच्चों से भी कह कर जाना कि आपके इसी निर्णय को आगे ले कर जाएं। कश्मीर की खुशहाली के लिए आपका और आपके जैसे दोनों परिवारों का अब जीवन भर भूतपूर्व बने रहने वाला यह अभूतपूर्व बलिदान, कश्मीरवासी सदैव याद रखेंगें। बता दें कि कांग्रेस ने कर्नाटक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए समान विचारधारा वाली 19 पार्टियों को निमंत्रण भेजा था। सिद्दरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती समेत कई दलों के नेता शामिल हुए थे।

2000 के नोट बंद होने पर बसपा प्रमुख माया ने दी पहली प्रतिक्रिया

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने आरबीआई के दो हजार के नोट वापस लेने के फैसले लेने के मामले में पहली बार अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि, 'करेन्सी व उसकी विश्व बाजार में कीमत का सम्बंध देश का हित व प्रतिष्ठा से जुड़ा होने के कारण इसमें जल्दी-जल्दी बदलाव करना जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसीलिए ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव व परिणाम पर समुचित अध्ययन जरूरी। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे'। कालाधन पर प्रहार के लिए दो हजार के नोट बंद किए जाने के बाद लोग इसे खपाने की जुगत में लग गए हैं। जिनके बाद अधिक नोट हैं वे बैंकों में जमा तो कर रहे ही हैं। साथ ही सराफा बाजार व पेट्रोल पंप पर भी इसे खपाया जा रहा है। एलडीएम प्रभात सिन्हा ने बताया कि ग्राहकों में तनाव जैसी स्थिति बिल्कुल नहीं है। सामान्य तरीके लोग बैंक में नोट बदल व जमा कर रहे हैं। कारण कि दो हजार के नोट बहुत कम ही है। प्राइवेट बैंकों में थोड़ी अधिक भीड़ थी। जानकार बताते हैं कि भले आरबीआई ने कहा है कि अपने बैंक खाते में जितना चाहे उतना दो हजार के नोट जमा कर सकते है लेकिन उनती ह्वाइट मनी होनी चाहिए। इसके बाद ही जमा करना चाहिए वरना आयकर विभाग के नजर में भी आ सकते हैं। ऐसा होने से सरकार को ब्लैक मनी पर अंकुश लगाने में सफलता मिलेगी। अभी से ब्लैक मनी रखने वालों के फोन वितीय सलाहकारों के पास आने शुरू हो गए है। उधर, पूर्वांचल रियल स्टेट एसोसिएशन संरक्षक अनुज डीडवानिया ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से दो हजार के नोट 30 सितंबर के बाद बैंक में जमा ना लेने का फैसला स्वागत योग्य है।

देश के इतिहास में पहली बार जेल जाएगा कोई मुख्यमंत्री..., केजरीवाल को लेकर बोले कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली में अधिकारों को लेकर उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी सरकार के बीच 'जंग' थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला अधिकारियों की ट्रासफर-पोस्टिंग के अधिकार से जुड़ा है। इस बीच, पूर्व सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने दिल्ली सर्विसेज को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, "ये केजरीवाल की विफल सरकार है। वो भ्रष्टाचार में इतना फंस गए हैं कि इस देश के इतिहास में पहली बार किसी दिन कोई निर्वाचित मुख्यमंत्री 8-10 दिनों के लिए जेल जाएगा। समस्या यह है कि इससे ज्यादा असभ्य कोई सीएम नहीं है। आप दिल्ली या एलजी में किसी से भी पूछें, कोई भी उनसे (सीएम) बात करना पसंद नहीं करता, क्योंकि वो खराब भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में ग्रुप-ए और दानिक्स कैडर के अधिकारियों के ट्रांसफर व उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी कर नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथारिटी का गठन कर दिया। यह अध्यादेश ऐसे समय जारी किया गया है जब हफ्तेभर पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं (पुलिस, पब्लिक आर्डर और भूमि को छोड़कर) पर नियंत्रण दिल्ली सरकार के हवाले किया है।

शुक्रवार को दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए अध्यादेश लाने की तैयारी कर रही है। अध्यादेश में कहा गया है, ह्यप्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने और सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करने के लिए नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथारिटी के नाम से एक प्राधिकरण होगा। अथारिटी में दिल्ली के मुख्यमंत्री चेयरमैन के तौर पर शामिल होंगे।

उनके अलावा अथारिटी में मुख्य सचिव भी शामिल होंगे। प्रधान गृह सचिव अथारिटी के सदस्य सचिव होंगे। अध्यादेश के अनुसार, अथारिटी द्वारा तय किए जाने वाले सभी मामले उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत से तय किए जाएंगे। अथारिटी की सभी सिफारिशों को सदस्य सचिव द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, जीजा-साले की मौत

बुलंदशहर। नोएडा से रामघाट लौट रहे बाइक सवार जीजा और साले की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों शवों और बाइक के बीच करीब 600 मीटर की दूरी थी। पुलिस ने अलग अलग पड़े शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिकारपुर अहमदगढ़ रोड पर पुलिस को शनिवार की देर रात करीब 11 बजे दो शव पड़े मिले। शवों के बीच 100 मीटर और क्षतिग्रस्त बाइक करीब 600 मीटर की दूरी पर पड़ी मिली। शवों की जेब में रखे पर्स और आधार कार्ड से स्वजनों को पुलिस ने हादसे के सूचना दी। स्वजन ने शवों की पहचान अरुण कुमार पुत्र बंगाली निवासी सेक्टर 16 नोएडा और अमन कुमार पुत्र हरकेश निवासी बझेड़ा रामपुर थाना रामघाट के रूप में की। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक अमन के चचेरे भाई ने बताया कि अरुण कुमार नोएडा ऑथोरिटी में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था और अमन एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। अमन की बहन अपने मायके में आई हुई है। देर रात साले अमन के साथ अरुण अपनी ससुराल बझेड़ा रामपुर, रामघाट के लिए देर शाम निकले थे। शिकारपुर पुलिस की मानें तो बाइक चालक अरुण कुमार ने हेलमेट लगा रखा था, जबकि अमन पीछे बैठा था।

संपादकीय

2000 के नोट चलन से बाहर होना ब्लैक मनी या विपक्षी दलों को झटका?

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने का फैसला किया है। यह नोट बाजार में सितम्बर माह तक चलते रहेंगे। स्वच्छ नोट नीति और 2000 के नोट के उपयोग में कमी का हवाला देते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 2000 के नोटों को प्रचलन से बाहर करने का निर्णय लिया है। 30 सितंबर तक 2000 के नोट बैंकों से बदले जाएंगे। 2000 के नोट से लेनदेन होता रहेगा। कारोबारी अपने खातों में 2000 के कितने भी नोट जमा कर सकेंगे। माना जा रहा है कि बैंक 2000 के नोटों का नियमित हिसाब रखेंगे। 2000 के नोटों के लेन-देन का पूरा रिकॉर्ड आयकर विभाग भी देखेगा। इससे स्पष्ट होगा कि ब्लैक मनी के रूप में जो एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की मुद्रा लोगों ने रख ली थी। वह नोट प्रचलन से वापस हो गए थे। उन नोटों को वापस रिजर्व बैंक लाया जा सके, आम आदमी एक बार में 10 नोट 2000 रुपए के बैंकों में जाकर बदल सकेगा। रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंक खाते में बिना किसी रोक-टोक के 2000 के कितने भी नोट में जमा कराए जा सकते हैं। 2018-19 से ही 2000 के नोटों की छपाई रिजर्व बैंक ने बंद कर दी थी। 2000 रुपए के नोटों का बैंकों से निकासी लगभग बंद हो गई थी। 2018 में 2000 के 6.73 लाख करोड़ रुपए के नोट प्रचलन में थे। 31 मार्च 2023 को घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपए के रह गए थे। रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट प्रचलन से बंद करने का निर्णय क्यों लिया है। इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। रिजर्व बैंक के पास जाली 2000 और 500 रुपये के नोट बड़ी मात्रा में आ रहे थे। 2000 रुपये के नोटों के रूप में, ब्लैक मनी एक लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि प्रचलन के बाहर थी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली करारी पराजय के बाद गेर भाजपाई दलों को आर्थिक रुप से कमजोर करने कि इसे एक राजनीतिक निर्णय के रूप में भी देखा जा रहा है। यह माना जा रहा है कि ब्लैक मनी के रूप में सबसे ज्यादा धन राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और बड़ी संख्या में अधिकारियों के पास है। इस साल के अंत तक पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होना है। 2024 में लोकसभा चुनाव होना है। 2016 में जब नोटबंदी की गई थी। उसके तुरंत बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव थे नोटबंदी का सबसे ज्यादा लाभ भाजपा को उत्तरप्रदेश के चुनाव में मिला था। इसका असर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी हुआ था। जब गैर भाजपाई दलों के पास खर्च करने के लिए पैसे ही नहीं थे। अभी आशंका व्यक्त की जा रही है। 2000 के नोटों को बंद करने के पीछे राजनीतिक दलों के पास जो नगदी ब्लैक मनी के रूप में थी। विपक्षी दल चुनाव को प्रभावित नहीं कर सकें। इसके लिए यह नोटबंदी की गई है। भाजपा को सबसे ज्यादा इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से चंदा प्राप्त होता है। गैर भाजपाई दलों को बहुत कम चंदा मिलता है। ऐसी स्थिति में इसका असर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पड़ना तय माना जा रहा है। 500 रुपये के नोट भी बड़ी संख्या में छापे गए हैं। पिछले दो-तीन सालों से 500 रुपये के नोट प्रचलन में लाए गए हैं। 500 रुपये के नकली नोट के रूप में बाजार में चल रहे हैं। ईडी और जांच एजेंसियों ने जो भी छापे पिछले दिनों में मारे हैं। उसमें दो हजार और 500 रुपये के नोट बड़े पैमाने पर जप्त हुए हैं। जिससे यह माना जा रहा है कि ब्लैक मनी और जाली नोट की रोकथाम के लिए रिजर्व बैंक ने यह कदम उठाया है। 2000 रुपए की नोटबंदी के बाद यह कहा जा रहा है, कि सितंबर के बाद एक बार फिर हजार रुपए के नोट प्रचलन में लाए जा सकते हैं । 500 रुपये के नोट प्रचलन से बाहर करने का सरकार निर्णय ले सकती है। सितम्बर माह के पहिले इसके स्थान पर 500 रुपये के नई सीरीज के नोट भी रिजर्व बैंक लाने पर विचार कर सकती है। बहरहाल नोट बंदी को लेकर आम जनता के बीच में इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई है। एक बार फिर 2016 की नोट बंदी लोगों को याद आने लगी है। रिजर्व बैंक ने इस बार नोट बदलने के लिए 3 महीने से ज्यादा का समय दिया है।

लड़ना नहीं चुनाव!

ना हटेगी धारा जब तक ।
लड़ना नहीं चुनाव ।।
फरमाया है मैडम ने ।
ना बैठेंगी नाव ।।
रह रह कर अक्सर ।
हैं आते बयान ।।
ना है कोई रोक टोक ।
कर्म जो महान ।।
टूटती मयार्दा है ।
है मिली जो छूट ।।
फिर भी इनसे रिश्ता ।
है रहना अटूट ।।
होता रहता बार बार ।
ऐसे ही प्रहार ।।
छोड़ देते बोल कर ।
है उनका अधिकार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कर्नाटक को संकट से उबारने में सोनिया कामयाब

सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद अब कर्नाटक संकट खत्म हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आने के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह की उठापटक जारी थी उसका संदेश जनता के बीच गलत जा रहा था और कांग्रेस की जीत पर बुरा असर डाल रही थी। लेकिन सोनिया गांधी ने वक्त रहते इस समस्या का समाधान कर दिया। कांग्रेस की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है, क्योंकि उसने घर के झगड़े को निपटा दिया। पार्टी को मिले भारी जनादेश की मांग भी यही रहीं। कांग्रेस ने घरेलू झगड़े को निपटा कर राजनीति में अपनी साख को और बेहतर किया है।यह भाजपा के लिए आंतरिक रूप से झटका है। क्योंकि यह विवाद जितना लंबा खींचता भाजपा कांग्रेस की जीत पर उतना तीखा हमला करती। लेकिन समय रहते सोनिया गांधी ने अच्छा फैसला लिया।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद यह संदेश साफ हो गया है कि उन्होंने राजनीति से भले सन्यास लिया हो, लेकिन पार्टी में दस जनपथ यानी गांधी परिवार का हस्तक्षेप उतना ही मजबूत है जितना कभी था और है। यह दीगर बात है कि पार्टी की कमान इस वक्त खड़गे के हाथ में है। पार्टी में सोनिया गांधी की साख एक अलग तरीके की है। सोनिया गाँधी एक सुलझी हुईं और गंभीर महिला हैं। हालांकि वह बोलती कम है, लेकिन पार्टी पर जब चौतरफा हमला होता है तो वह खुद आगे आकर कमान संभालती हैं।

डीके शिवकुमार सोनिया गांधी के बेहद करीबी हैं। सोनिया गांधी के आशीर्वाद से ही डीके शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। क्योंकि तिहाड़ जेल में जब शिवकुमार बंद थे तो सोनिया गांधी स्वयं उनसे मिलने गई थी। ऐसे हालात में डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी के सामने झुकना ही पड़ा। हालांकि डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी ने पूरा भरोसा दिया है की उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और वे प्रदेश अध्यक्ष साथ उपमुख्यमंत्री की भी कमान वह संभालेंगे।

कर्नाटका में कांग्रेस की जीत हुई है, लेकिन पूरा विपक्ष एक तरह से खुद की जीत इसे मान रहा है। क्योंकि जिस तरह

कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है। विपक्ष के लिए आक्सीजन मिल गया है। विपक्ष को भी एक बात समझना होगा कि बगैर कांग्रेस के विपक्ष भजपा से यह लड़ाई नहीं जीत सकता है। उसे कांग्रेस के साथ खड़े रहना होगा। विपक्ष में काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कर्नाटक की जीत के बाद विपक्ष को 2024 लोकसभा चुनाव दिख रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब कांग्रेस के करीब आने लगी। उन्होंने तकरीबन 200 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सहयोग करने की बात कहा है। निश्चित रूप से कर्नाटक में कांग्रेस नहीं पूरे विपक्ष की जीत है। लेकिन इस चीज को कांग्रेस को बनाए रखना होगा। विशेषकर उसे भ्रष्टाचार के आरोपों से बचना होगा। आम लोगों को स्वच्छ पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना होगा। राज में अफसरशाही को और लचीला बनाना होगा। सरकार को सीधे जनता से ताल्लुक रखना होगा। चुनाव में किए गए वादे को पार्टी को शत प्रतिशत निभाना होगा। हालांकि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में सरकार बनते ही उन घोषणाओं पर अमल किया जाएगा। लेकिन सबसे पहले जनता की मूलभूत जरूरतों और स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव में पार्टी को अच्छाखासा परिणाम मिल सकता है।

कर्नाटक के सत्ता की कमान अब सिद्धारमैया के हाथ में होगी। रमैया एक मजे हुए राजनेता है और राज्य के मुख्यमंत्री की कमान कई बार संभाल चुके हैं। लिंगायत और दूसरे समाज के लोगों में भी उनकी अच्छी खासी पकड़ है। दलित समाज के लोग भी उन्हें अच्छी तरजीह देते हैं। जबकि डीके सुकुमार का प्रभाव राज्य के कुछ निश्चित इलाके तक ही सीमित है। दूसरी तरफ उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप है। कांग्रेस अगर उन्हें मुख्यमंत्री बना देती तो निश्चित रूप से केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके और पार्टी के लिए मुसीबत बन सकती हैं। उस हालत में जहां कांग्रेस की छवि खराब होती है वहीं पार्टी को करारा झटका लगता। ऐसे हालात में पार्टी किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। जिसकी वजह से कर्नाटक संकट के हल के लिए सोनिया गांधी को डीके शिवकुमार से बात करनी पड़ी। जबकि सोनिया गांधी से मुलाकात के पूर्व वे मुख्यमंत्री पद लेने पर पड़े थे। हालांकि सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद मान गए।

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच पेंच को सुलझाने के लिए 30-30 महीने के कार्यकाल के लिए दोनों को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया लेकिन डीके शिवकुमार को यह बात मंजूर नहीं थी। शिवकुमार राहुल गांधी से भी मिले, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे। फिर बात सोनिया गाँधी तक गयीं। सोनिया गांधी और शिव कुमार की मुलाकात का इतना असर हुआ कि वह अपनी उन्होंने अपनी जिद छोड़ दिया और कांग्रेस को संकट से उबार लिया।

डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर अड़े रहते तो कांग्रेस के लिए बड़ा संकट बन सकता था। हालांकि राज्य में शिव कुमार ने अच्छा काम किया है जिसकी वजह से पार्टी को जीत भी मिली। कांग्रेस की जीत में शिवकुमार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। सांगठनिक स्तर पर कांग्रेस को मजबूती दिलाने में उनकी अच्छी खासी भूमिका रही है। वैसे मुख्यमंत्री बनाने का अंतिम फैसला खरगे पर छोड़ दिया गया था। लेकिन जब उनकी नहीं चली तो उन्हें सोनिया गांधी से निवेदन करना पड़ा। फिर सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद शिवकुमार अपने रास्ते पर आ गए हैं। कर्नाटक में इसके पूर्व परम्परा रहीं थी कि प्रदेश अध्यक्ष रहने वाले को मुख्यमंत्री पद दिया जाता था। 1989 में वीरेंद्र पाटिल और 1999 में एमएस कृष्णा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि बीबीसी के अनुसार इस दौरान गुप्त मतदान भी कराया गया था। उस दौरान यह प्रस्ताव खड़गे की तरफ से दिया गया था। कर्नाटक चुनाव नतीजे आने के बाद डीके शिवकुमार बेहद भावुक हो गए थे। अच्छी खासी जीत की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी, लेकिन आशा के विपरीत मिली सफलता से वह भावुक हो गए और सोनिया गांधी के प्रति आभार भी जताया। कर्नाटक में सिद्धारमैया की छवि बेहद साफ-सुथरी है। वह एक कुशल प्रशासक के रूप में भी जाने जाते हैं। भ्रष्टाचार का कोई बड़ा आरोप नहीं है। चुनाव के बाद उन्होंने कहा था यह उनका अंतिम चुनाव होगा। जिसकी वजह से जनता की ओर से कांग्रेस और उन्हें सहानुभूति का लाभ में मिला। समाज के सभी वर्गों में उनकी अच्छी खासी पैठ। सभी लोगों को एक साथ लेकर चलते हैं। फिलहाल कांग्रेस बड़ी सूझबूझ से अपने घर के झगड़े को निपटा लिया है। यह उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक और नैतिक सफलता है। अब कर्नाटक जीत के बाद उसे राज्य की जनता और उसके भरोसे को जीतना होगा।

शीतला सिंह स्वयं संस्था बन गए

मेरे साथी शीतला सिंह का जाना दुखद इसलिए ज्यादा रहा क्योंकि वे सैकड़ा लगाने से चूक गये। यूं कीर्तिमान रचना सदा उनका सहज कार्य रहा। इक्यानवे (6 अगस्त 1932) पर ही प्रस्थान कर गए। मैं अन्त्येष्टि पर भी न जा पाया। उन्होंने देहदान कर दिया था। मतलब जीवन के बाद भी उनकी मानव सेवा का सिलसिला चालू रहा। कई विकलांगों का हित होगा। शीतला सिंह हमारे श्रमजीवी पत्रकार आंदोलन के मांझी थे। खिवैय्या। अगस्त 1980 में उनसे मेरा सबका हुआ था। आजीवन रहा। हमारे इंडियन फेडरेशन आफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) का प्रतिनिधि अधिवेशन कोचीन (केरल) में होना था। राष्ट्रीय प्रधान सचिव के नाते मेरी कोशिश थी कि यूपी से सवा सौ प्रतिनिधि चलें। भारत में सबसे विशालाय इकाई भी यूपी की ही रही। तभी सत्ता में लौटी इंदिरा गांधी के रेल मंत्री पं. कमलापति त्रिपाठी थे जो पत्रकार रह चुके थे। वे स्वयं IFWJ सदस्य भी रहे थे। उन्होंने रेल के दो कोच दिलवा दिये। इसमें एक समूचा सिर्फ फैजाबाद के साथियों के लिए रखा। शीतला सिंह की सेना के लिए। उसमे निर्मल खत्री थे। बीपी सिंह देव और चंद्रकिशोर मिश्र मिलाकर। नई नवेली पत्रकार मंजू शुक्ला भी थीं। उसके बाद लगातार हर सम्मेलन में शीतलाजी आते रहे, मेरे आग्रह पर। उन्होंने IFWJ का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनना स्वीकारा। मुझे उनकी विशेष मदद मिली जब यूपी के पत्रकारों के शीर्ष ट्रेड यूनियन (UPWJU) को पुनर्जीवित करना था। एकता फिर कायम करने हेतु वे प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष बने। झांसी में उपाध्यक्ष स्व. कैलाशचंद्र जैन (संपादक : दैनिक विश्व परिवार) ने आयोजित किया था। प्रदेश के मीडिया-कर्मियों में जान आ गई थी। फिर हमें मुड कर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

चंद आवश्यक और महत्वपूर्ण मील पत्थरों का उल्लेख हो। दो अवसर आए थे जब सहकारिता पर प्रकाशित इस दैनिक पर शत्रुओं की नजर लगी। शीतला सिंह तब तक मेरे लिए स्वयं तक संस्था बन गए थे। उस दौर में कांग्रेसी श्रीपति मिश्र सुल्तानपुरवाले मुख्यमंत्री थे। उनके सहकारिता मंत्री थे पं. बच्चा पाठक। उन्होंने जनमोर्चा पर कहर ढाना शुरू कर दिया। पत्रकार-मित्र विश्वनाथ प्रताप सिंह तब भारत सरकार में मंत्री बन गए थे। उनको

मैंने पूरी गाथा बताई। एक संवाददाता के नाते अपने दैनिक टाइम्स ऑफ इंडिया में सरकारी साजिश की रपट भेजी। चार कालम में छपी। शीर्षक था : कैसे एक सहकारी दैनिक को इन्दिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी सरकार नष्ट कर रही है। तब लखनऊ में टाइम्स आफ इंडिया नहीं छपता था। उसका दिल्ली संस्करण आता था। मेरी रपट का तत्काल असर पड़ा। मंत्री बच्चा पाठक ने मुलाकात करना चाहा। मामला समझ गए और तुरंत सारी हरकत बंद करवा दी। श्रीपति मिश्र की नहीं चली।

दूसरा हमला जनमोर्चा पर हुआ, जब भाजपा यूपी और केंद्र में सत्ता पर थी। खेद की बात यह थी कि अन्य दैनिक समाचारपत्रों से इस मामले में सहयोग नहीं मिला। तब झाँसी से कोई अफसर फैजाबाद का डीएम तैनात हुआ था। वही खलनायक था। एक आईडिया तब मुझे कौंधा। लखनऊ के राजभवन में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। मैं भी पहुंच गया। हमेशा की भांति आखरी पंक्ति में बैठा था। जब सवाल-जवाब खत्म हो गए तो मैं उठा, हाथ खड़ा किया और मसले को उठाया। अब चार दशकों से परिचित रहे अटलजी तभी उठे ही थे, फिर बैठ गए। मुझे बोलने का इशारा किया। मेरा नपातुला प्रश्न था : अटल जी आप और हम सब तानाशाही के खिलाफ लड़े थे, जेल गए। आज आपकी यूपी सरकार उसी अन्याय को दोहरा रही है। जनमोर्चा का प्रकरण मैंने बताया। अटलजी ने मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह की ओर देखा। कहा भी कि अखबारी आजादी बनाए रखना शासक का पावन कर्तव्य है। भला हो राजनाथ सिंह का तुरंत कार्यवाही हुई। फिलहाल जनमोर्चा को हथियाने की सरकारी हरकत बंद हो गई।

शीतला सिंह जी का मैं निजी रूप से अत्यंत आभारी रहूंगा क्योंकि मुझे IFWJ अध्यक्ष का चुनाव जिताने में उनकी खास किरदारी रही। मुख्य चुनाव अधिकारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दैनिकदेशाभिमानी के संपादक कामरेड सीवी पापाचन थे। इक्यानवे प्रतिशत वोट पाकर मैं जीता। अब समस्या थी राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजन करने की। शीतला सिंह ने फैजाबाद में करने का सुझाव दिया। यह जून 1984 को हुआ। स्वयं शीतला सिंह स्वागत समिति के अध्यक्ष थे। उस भीषण गर्मी के सम्मेलन में संबोधन करने में इंदिरा गांधी काबीना के मंत्रियों की भीड़ लग गई थी। विश्वनाथ प्रताप सिंह, नारायण दत्त तिवारी, वीएन गाडगिल, आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्र, उनके मंत्री लोकपति त्रिपाठी इत्यादि। प्रतिनिधि भी यूरोप, अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से पधारे थे।

एक संकट आया था और शीतला सिंह ने सही वक्त सही राय दी। नतीजन हम ने सही फैसला किया। फैजाबाद में यूपी यूनियन का अधिवेशन होना था। उस वक्त कांग्रेस से हटाए गए पं. हेमवती नंदन बहुगुणा को मैं आमंत्रित करना चाहता था। उन्होंने चित्रकूट में (गांधी जयंती, 2 अक्टूबर 1978 को) हमारे पत्रकारों और समाचारपत्र कर्मियों के महासंघ (कान्फेडेरेशन) के आयोजन में बड़ी मदद की थी। अब वे विपक्ष में थे। हम सूरजमुखी परिपाटी को तोड़ना चाहते थे। अतः बागी बहुगुणा को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मुझे बताया कि यदि बहुगुणा जी आये तो वे नहीं आ पाएंगे। मैडम (इंदिरा गांधी) नापसंद करेंगी। अतः उद्घाटन के बाद दूसरे दिन बहुगुणा जी को शामिल किया।

शीतला सिंह जी IFWJ की 21-दिनोंवाली विदेश यात्रा में मेरा अधिक सामीप्य हुआ। हम दोनों में इसलिए सामंजस्य बना,क्योंकि उनकी तरह मैं भी शराब, तंबाकू और मांसाहार का परहेजी हूं। इससे हित हुआ। उत्तरी कम्युनिष्ट कोरिया में झींगुर की तरकारी परोसी गई थी। मैं तो अज्ञानी था। शीतलाजी ने सचेत कर दिया। वल्लभाचार्य के वंशज मेरा विप्र-धर्म भ्रष्ट होने से बच गया। कोरिया से फिर हमारा 35-सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल सोवियत रूस, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विजरलैंड, ब्रिटेन आदि गया। जिनेवा में श्रममंत्री मोहसीन किदवई से भेंट हुई। वे अंतरराष्ट्रीय लेबर संगठन की बैठक में आईं थीं। मुझे बड़ा अच्छा लगा। उस महान और प्रिय संपादक कामरेड शीतला सिंह का। स्वर्ग पहुंचकर भी वे जरूर समाचार संकलन और सम्पादन में जुट गए होंगे। आदत कहां छूटती है ?

तुष्टीकरण के बीज बोकर सांप्रदायिकता की फसल काटना राजनीतिक दलों को महंगा पड़ेगा

अस्सी के दशक की बात है, शाहबानो नामक केस सामने आया। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि जिस औरत को तिहरा तलाक दिया गया है, उसका पति गुजर बसर के लिए मुआवजा दे। कठमुल्लों ने इसे इस्लाम में हस्तक्षेप बताया। भीड़ आई, समर्थन आया तो गंगा में डुबकी लगाने राजीव गांधी भी पहुंच गए। उन्हें वहां सस्ती भीड़ मिली। राजीव ने संसद में एक कानून बनाकर न्यायालय के निर्णय को धोबीपटका दे दिया। भीड़ खुश हुई, मौलवी नाचे, इस्लाम वालों का माशा अल्लाह हुआ और राजीव जिंदाबाद हो गए लेकिन इस तुष्टीकरण का परिणाम क्या निकला? उत्तर है कि- मुसलमानों के एक वर्ग का तालिबानीकरण, जिहादी आतंक की तपिश, ट्रिपल तलाक के नाम पर बच्चियों का शोषण, कई दंगे जिनमें हजारों लाशें और इसके अलावा भी न जाने किस-किस रूप में इस नीति के विषैले फल हमने चखे।

तुष्टीकरण बीज है तो सांप्रदायिकता फसल, दोनों परस्पर यूं जुड़ी हैं जैसे एक कोख जाई बहनें। क्या तब ऐसे लोग नहीं रहे होंगे, जिन्होंने उस तुष्टीकरण पर सवाल किया हो? निश्चित ही किया होगा, पर उन्हें इस्लामोफोबिक कह नकारा गया होगा या उन पर सांप्रदायिकता का ठप्पा लगा दिया होगा। जिस तुष्टीकरण के चलते देश का विभाजन हुआ वही नीति न तो बंटवारे के बाद बंद हुई और राजनीतिक दलों की कुर्सी की भूख

बताती है कि न ही निकट में इस पर विराम लगने की कोई संभावना दिखाई दे रही, चाहे इसके लिए कितना भी गम्भीर परिणाम भुगतना पड़ जाए।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने परम्परा अनुसार खुल कर तुष्टिकरण की चौसर खेली। राज्य की पूर्व भाजपा सरकार ने मुसलमानों को अन्य पिछड़ा वर्ग के कोटे से दिए जा रहे चार प्रतिशत आरक्षण की सुविधा वापिस ले ली। देश की छद्मधर्मनिरपेक्ष जाति ने न केवल इस पर हल्ला मचाया बल्कि मामला सर्वोच्च न्यायालय तक ले गए। संवैधानिक व्यवस्था के तहत धर्म के आधार पर आरक्षण की सुविधा नहीं दी जा सकती। भाजपा सरकार ने इस मुद्दे पर संवैधानिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया परन्तु कांग्रेस सहित तमाम छद्म धर्मनिरपेक्ष योद्धाओं ने इसे मुस्लिम विरोधी बता कर तुष्टिकरण का पुराना खेल खेलना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल व पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाने का भी वायदा किया। सभी जानते हैं कि पीएफआई एक आतंकी संगठन है जिसकी किसी भी तरह से बजरंग दल जैसे उस संगठन से तुलना नहीं की जा सकती जो देश की संवैधानिक मयार्दा के अनुकूल अपनी गतिविधियां संचालित करता है। सभी जानते हैं कि राष्ट्रवादी संगठन शुरू से ही कांग्रेस की आंखों की किरकिरी रहे हैं और पार्टी अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबन्ध की बात कर केवल मुस्लिम तुष्टीकरण का कार्ड खेल रही है।

कुछ ऐसा ही लव जिहाद व जबरन धर्मांतरण विषयों को लेकर बनाई गई द केरल स्टोरी को लेकर देखने को मिला। द केरल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल शाह द्वारा निर्मित फिल्म है। यह केरल की महिलाओं के एक समूह की कहानी है जो धर्मान्तरित होकर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एण्ड सीरिया में शामिल हो जाती हैं। फिल्म ने खुद को एक सच्ची कहानी के स्पष्ट चित्रण के रूप में प्रस्तुत किया है और यह बताया है दुनिया की हजारों महिलाओं को इस्लाम में जबरदस्ती परिवर्तित किया जा रहा है और आईएसआईएस में भर्ती किया जा रहा है। सिनेमघरों में उमड़ रही भीड़ बताती है कि देशवासियों को यह फिल्म खूब पसन्द आई है परन्तु तुष्टीकरण की पीठ पर सवार दलों ने इसका भी यह कहते हुए विरोध करना शुरू कर दिया कि फिल्म की कहानी मुसलमानों को बदनाम करने का काम कर रही है। विरोध करने वाले यह बताने में असमर्थ हैं कि आतंकी संगठन आईएसआईएस का पदार्फाश करने वाली फिल्म इस्लाम के खिलाफ कैसे मानी जा सकती है? आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होने का ग्रामोफोन चलाते आ रहे हमारे धर्मनिरपेक्षतावादी क्या इस फिल्म का विरोध कर खुद ही आतंकवाद का इस्लाम से नाता तो नहीं जोड़ रहे? कर्नाटक में तुष्टीकरण के गरलमंथन से कांग्रेस पार्टी ने सत्ता तो हासिल कर ली, क्योंकि चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि इन चुनावों में मुसलमानों के थोक वोट कांग्रेस को मिले, जिससे जनता दल (एस) का पांच प्रतिशत मत खिसक कर कांग्रेस में मिल गया और वह चुनाव जीत गई, परंतु क्या ऐसा करके कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता की नई पृष्ठभूमि तो नहीं तैयार कर दी? राजनीतिक दल सचेत रहें, तुष्टीकरण की नीति कुछ विधायक व सांसद तो बनवा देती है परन्तु इसके परिणाम पूरे देश को साम्प्रदायिकता व आतंकवाद के रूप में भुगतने पड़ते हैं। तुष्टीकरण की नीति कट्टरपन्थियों को एकजुट करती है जो पूरे समाज के साथ-साथ खुद उस धर्म के मानने वालों के लिए भी घातक साबित होती है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने तुष्टीकरण की नीति से साम्प्रदायिकता की नई फसल का बीजारोपण कर दिया है और अब देशवासियों को ही सावधान रहना होगा।

जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली से प्राप्त निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के तत्वाधान में आज दिनांक 21.05.2023 को प्रातः 08:00 बजे जनपद न्यायालय गाजीपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संजय कुमार जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप-प्रज्ज्वलित कर लोक अदालत का उद्घाटन किया गया तथा माननीय द्वारा लोक अदालत के सफलता हेतु सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक निस्तारण हेतु प्रोत्साहित किया गया। राकेश कुमार नोडल अधिकारी, लोक अदालत गाजीपुर एवं दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु नियत वादों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर सचिव ने बताया कि लोक अदालत से न्याय के क्षेत्र में क्रान्ति आई है और लोगो में विधिक जागरूकता भी बढ़ी हैं। उनके द्वारा जनपद न्यायाधीश के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु किये गये प्रयासों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गयी तथा सामान्य अदालत एवं लोक अदालत में अन्तर को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर संजय कुमार जनपद न्यायाधीश गाजीपुर, चन्द्र प्रकाश तिवारी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष सं0-01, गाजीपुर, अरविन्द मिश्र, स्पेशल जज, संजय कुमार यादव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-3, गाजीपुर, दुर्गेश, स्पेशल जज, शरद कुमार चैधरी, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी गाजीपुर, स्वप्न आनंद, सिविल जज (सी0डि0) गाजीपुर, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी गाजीपुर, दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर व न्यायालय के कर्मचारीगण सम्मलित हुए। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 110770 मामले निस्तारण हेतु नियत किये गये थे, जिसमें से सुलह समझौतें एवं संस्वीकृति के आधार पर कुल 91520 वाद अंतिम रूप से निस्तारित किये गये। राजस्व विभाग आदि के 5769 मामले, विभिन्न न्यायालयों द्वारा 14022 मामले तथा बैंक एवं अन्य विभाग द्वारा कुल 71729 मामले निस्तारित किये गये। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 6,87,97,165/- रू0 की धनराशि के संबंध में आदेश पारित हुआ। दीवानी न्यायालय द्वारा कुल 3ए09ए68ए351/- रू0 के संबंध में आदेश पारित किया गया तथा राजस्व न्यायालयों एवं बैंक में कुल 3ए78ए28ए814/- रू0 के संबंध में सुलह-समझौता हुआ।

प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, गाजीपुर द्वारा 39 वाद निस्तारित किये गये तथा न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा कुल 61 वाद निस्तारित किये गये व कुल-2112000/-रू0 की धनराशि के संबंध में आदेश पारित किया गया। जनपद न्यायालय गाजीपुर में फौजदारी मामलों में सबसे अधिक निस्तारण मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी शरद कुमार चैधरी द्वारा तथा दीवानी मामलों में सबसे अधिक निस्तारण सिविल जज (वरिष्ठ संवर्ग) स्वप्न आनन्द द्वारा किया गया। पूर्णकालिक सचिव द्वारा जनपद न्यायालय के कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, मीडियाकर्मी तथा पुलिस एवं प्रशासन विभाग के प्रति अपना धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जनता की समस्याओं को गंभीरता से लें अधिकारी और कर्मचारी : जिलाधिकारी

सिकन्दरपुर (बलिया)। स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने तहसील सिकन्दरपुर में समाधान दिवस पर जनता की समस्याएं सुनी। समाधान दिवस पर कुल 98 मामले प्रस्तुत किए गए, जिसमें मौके पर 6 मामलों का त्वरित निस्तारण किया गया। सबसे ज्यादा मामले चकबंदी, भूमि विवाद, बिजली, पानी, सफाई, चिकित्सा और सुरक्षा से संबंधित थे, जिसे उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित कर जल्द से जल्द सभी मामलों का निस्तारण किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी मामले का निस्तारण करते समय दोनों पक्षों की बातें अवश्य सुन ली जाए। भूमि और राजस्व के मामले में उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग की टीमें मौके पर जाकर मौका मुआयना करके ही मामले का निस्तारण करें। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और उसे जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए। किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान न किया जाए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर, उप जिलाधिकारी अरुण कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा के अतिरिक्त सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

शिकायत पर जिलाधिकारी ने दिया निर्देश - असना गांव की अफरोज परवीन के द्वारा जिलाधिकारी बलिया को आवेदन पत्र देकर बताया गया कि हमारे गांव सभा में 1 साल पूर्व सस्ते गल्ले की दुकान का लाइसेंस अनियमितता के कारण निरस्त किया गया था। लेकिन आज तक उस गांव में सस्ते गल्ले की दुकान को आवंटन नहीं कराया गया। यह अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है और गांव के लोग 2 किलोमीटर दूर जाकर अपना सस्ते गल्ले की दुकान से राशन प्राप्त करते हैं। इस बात को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने जिला पूर्ति अधिकारी को आदेशित किया कि इस गांव सभा की सस्ते गल्ले की दुकान को नियम के तहत तत्काल चालू कराया जाए।

संक्षिप्त खबरें

तांत्रिक की पिटाई का वीडियो वायरल, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्धिकपुर गांव के एक तांत्रिक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। सूत्रों के मुताबिक बीते कुछ दिन पहले सिद्धिकपुर गांव का एक तांत्रिक गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के दुधौरा गांव में झाड़-फूंक करने गया हुआ था। जहां पर ग्रामीणों ने उसे अश्लील हरकतें करते हुए देख लिया था जिसके बाद ग्रामीणों ने मिलकर तांत्रिक की जमकर पिटाई कर दी इस दौरान कुछ लोगों ने तांत्रिक के पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते हैं पुलिस हरकत में आ गई। सरायख्वाजा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि वीडियो के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सहकारी संघ क्रय विक्रय के अध्यक्ष ने नगरपालिका अध्यक्ष से मिलकर बनाया विकास की योजना

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। सहकारी समिति संघ के अध्यक्ष रामधनी सिंह नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी से मिलकर अहरौरा क्रय विक्रय सहकारी समिति के विकास की योजना बनाई और कहां की क्रय विक्रय समिति को किसानों के लिए जन उपयोगी बनाया जाएगा। इसके पूर्व रामधनी सिंह जर्जर हो चुके कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया और उसमें से अतिक्रमण हटवाने का निर्देश सचिव को दिया। नगर पालिका अध्यक्ष से मिलकर सहकारी समिति क्रय-विक्रय के अध्यक्ष रामधनी सिंह ने क्रय विक्रय समिति में व्याप्त गंदगी को साफ कराने का आग्रह किया और कहा कि समिति के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें ताकि समिति को किसानों के हित में जन उपयोगी बनाया जा सके। खंडहर में तब्दील हो चुकें शीत गृह के सम्बन्ध में कहां कि इसके विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर शासन से धन लाने का प्रयास करूंगा और सहकारी संघ क्रय विक्रय के जर्जर भवन को भी बनवाने का प्रयास करूंगा।

ब्राह्मण जनसेवा मंच के द्वारा किया गया फरसा स्थापना

प्रखर ब्यूरो जमानिया/गाजीपुर। महर्षि जमदग्नि की तपोस्थली जमानिया हरपुर में पौराणिक काल के निर्मित प्राचीनतम प्राचीनतम भगवान परशुराम मंदिर में ब्राह्मण जन सेवा मंच गाजीपुर की तरफ से(परसु) फरसा का विधिवत पूजन, अर्चन हवन करने के बाद मंदिर परिसर में लगाया गया। ब्राह्मण जन सेवा मंच द्वारा लगाए जाने वाले इस फरसे की लंबाई 12 फिट तथा इसका वजन 22 किलो है। फरसा स्थापना कार्यक्रम के बाद वहां उपस्थित मंच के सदस्यों एवं, पदाधिकारियों ने विप्र बंधुओं की बैठक भी आयोजित की। जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एक स्वर में यह मांग रखी थी भगवान परशुराम के देशभर में स्थित मंदिरों में सर्वाधिक प्राचीन मंदिर हरपुर जमानिया आज भी ग्रामीणों के सहारे चल रहा है?। जिसका कायाकल्प या पुनरुद्धार किया जाना अति आवश्यक एवम जरूरी है । वक्ताओं ने जनपद के सभी ब्राह्मण जनों से अपील की थी अधिक से अधिक भागीदारी करते हुए इस मंदिर के पुनरुदधार में सहयोगी बने। वक्ताओं ने मंदिर परिश्रम में परिसर में फरसा लगाने से पूर्व भगवान परशुराम का पूजन किया तथा हवन का भी कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रेम शंकर द्विवेदी, राममनोज तिवारी , प्रदीप कुमार चतुवेर्दी ,भगवति तिवारी, विजय शंकर चतुवेर्दी, विवेकानन्द पाण्डेय, राजू उपद्ध्यय, विजय प्रकाश दुबे, चन्दन तिवारी, वीरेंद्र नाथ तिवारी, मनोज बाबा, शिवम उपध्याय, रजनीश तिवारी आशुतोष त्रिपाठी, विनय तिवारी सन्तोष पाण्डेय, रामाश्रय तिवारी, सुधाकर पाण्डेय अतुल तिवारी सीता राम उपध्याय, अमित पाण्डेय, लक्ष्मी कांत चौबे, राकेश उपध्याय आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

18 घण्टे में ही 2 शातिर लूटेरे गिरफ्तार, लूटी गई चैन सहित स्कार्पियों बरामद

बलिया। पुलिस अधीक्षक बलिया राजकरन नय्यर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 20.05.2023 को थाना कोतवाली अप0नि0 श्री संजय शुक्ला व उ0नि0 श्री चन्द्र प्रकाश कश्यप मय पुलिस फोर्स द्वारा देखभाल क्षेत्र में गोदाम तिराहे के पास मौजूद थे कि जरिए मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि दिनांक 19.05.2023 को थाना कोतवाली क्षेत्र में लूट की घटना कारित करने में प्रयुक्त की गयी गाड़ी सतीश चन्द्र कालेज के पास खड़ी हुई जिसमें कुछ अज्ञात व्यक्ति बैठे हुए है इस सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा सतीश चन्द्र कालेज के पास से खड़ी स्कार्पियों गाड़ी UP 62 CP 3062 को घेरा बन्दी करते हुए कब्जा पुलिस में लिया गया जिसमें बैठे हुए 01 व्यक्ति व 01 महिला जिनका नाम क्रमशः अभियुक्त बिलाल अंसारी पुत्र एजाज अंसारी निवासी बसंतपुर थाना सिधौरा जनपद वाराणसी अभियुक्ता सुमन हरिजन पत्नी चन्दन हरिजन निवासिनी हिरावनपुर थाना सिधौरा जनपद वाराणसी को पुलिस हिरासत में लेकर जमातलाशी में की गयी तो बिलाल के पास से 01 अदद मोबाइल व महिला की तलाशी म0का0 रूपमाला केशरवानी के द्वारा की गयी तो महिला के पास से एक पीली धातु की चेन प्राप्त हुई । जिस सम्बन्ध में कड़ाई से पूछताछ की गयी तो दोनों अभियुक्त व अभियुक्ता द्वारा बताया गया कि साहब दिनांक 19.05.2023 को अमृतपाली रेलवे स्टेशन अण्डरग्राउण्ड के पास टहल रही एक महिला से लूट गया था बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार दोनों अभियुक्त व अभियुक्ता के विरुद्ध थाना स्थानीय पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए मा. न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है ।

ट्रैफिक पुलिस ने चलाया सड़क सुरक्षा अभियान, लोगों को किया जागरूक

सिकन्दरपुर (बलिया)। बस स्टैंड चौराहा स्थित पुलिस पिकेट के समीप शुक्रवार को ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर सिकन्दरपुर द्वारा सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट लगाए लोगों को सुरक्षा के बारे में बताया गया। वहीं बिना हेलमेट के वाहन चलाते बाइक सवार को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। जागरुकता अभियान के दौरान कहा गया कि हेलमेट आपकी सुरक्षा में कितना जरूरी है, सड़क दुघर्टना में इसका पता चलता है। आज नजरअंदाज और लापरवाही के कारण लोग बिना लाइसेंस और हेलमेट के एक बाइक पर तीन-तीन लोग सवार होकर चल रहे हैं और पकड़े जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार की माता का निधन

सिकन्दरपुर, बलिया। स्थानीय कस्बा के मोहल्ला बड्डा निवासी वरिष्ठ पत्रकार रजनीश श्रीवास्तव की माता इंद्रावती श्रीवास्तव का 70 वर्ष की उम्र में निधन शनिवार की सुबह उनके आवास पर हो गया। निधन का समाचार मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वह काफी दिनों से अस्वस्थ चल रही थी इस दौरान बड्डा स्थित उनके घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वाले लोगों का तांता लगा रहा। इस मौके पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष विजेंद्र नाथ सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संजय जयसवाल,विजय जायसवाल,रमेश जयसवाल,अजय तिवारी, मनीष गुप्ता,चुन्नीलाल गुप्ता,आरिफ अंसारी, पूर्व प्रधान राजू पाण्डेय, राजू तुरैया,राजेश यादव, मनोज यादव,इमरान खान, बख्तियार खान, सनोज कुमार, विनोद कुमार,धर्मेंद्र तिवारी, जितेंद्र सोनी, राजेश पाण्डेय एलआईसी,अरविंद पाण्डेय,नरायन पाण्डेय,संभुनाथ मिश्रा, आशुतोष कुमार मिश्रा, जितेंद्र सोनी सत्यम गुप्ता,दीपक श्रीवास्तव, तसव्वर अली,आदि लोग मौजूद थे।

सरयू नदी में डूबे दोनों बालकों का मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

सिकन्दरपुर (बलिया)। स्थानीय थाना क्षेत्र के डूहा बिहरा गांव स्थित सरयू नदी में शुक्रवार की शाम रिश्तेदारी में आए दो युवक नहाते समय नदी में डूब गए। रिश्तेदारों व परिजनों व स्थानीय लोगों ने काफी तलाश की, लेकिन दोनों के शव बरामद नहीं हो पाए।

वहीं शनिवार की सुबह गांव के लोगों के अथक प्रयास से दोनों युवकों के शव बरामद कर लिए गए। मिली जानकारी के अनुसार उभांव थाना क्षेत्र के राजपुर पलिया खास गांव निवासी धीरज (20) पुत्र मोहन प्रसाद अपने बुआ के लड़के मऊ जनपद के मधुबन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटघरा निवासी मोहित (19) के साथ सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के डूहा बिहरा गांव स्थित रिश्तेदारी में आया था। शुक्रवार की शाम को दोनों गांव के बगल में स्थित सरयू नदी में नहाने के लिए गए। नहाते नहाते गहरे पानी में चले गए। गहरे पानी में जाने के कारण दोनों बालक डूब गए। शव मिलने की जानकारी सिकन्दरपुर पुलिस को दे दी गई। थानाध्यक्ष सिकन्दरपुर दिनेश पाठक ने शव को कब्जे में ले लिया और अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं, दोनों युवकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

एक भूमि को दो बार बेचने पर चार पर एफआईआर

बांसडीह। एक ही भूमि की दो बार बिक्री को लेकर प्रथम खरीदार के वाद पर न्यायालय अपर मुख्य दंडाधिकारी प्रथम के आदेश पर पुलिस ने उक्त भूमि की खरीद बिक्री करने वाले चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। इससे क्षेत्र में हड़कंप मचा है। कमलेश चौहान निवासी रजौली थाना सहतवार ने आरोप लगाया है कि उन्होंने वर्ष 2005 में मौजा गलाफरपुर में 0.066 हेक्टेयर भूमि भूस्वामी सर्वदेव राय निवासी दुबे छाप थाना सहतवार से बैनामा कराया गया है। इस पर वह काबिज होकर खेती आदि करते हैं। कुछ समय पूर्व यह ज्ञात हुआ कि भूस्वामी द्वारा उसी रकबे को एक अन्य महिला कमली देवी पत्नी श्याम नारायण चौहान निवासी चितबिसाव कला के नाम बैनामा कर दिया गया है।

पीएम किसान लाभार्थी संतृप्तीकरण अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में लगेगा किसान मेला

22 मई से 8 जून तक किसानों की समस्या दूर करने हेतु चलेगा विशेष अभियान

सिकन्दरपुर (बलिया)। सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि योजना को सभी किसानों तक पंहुचाने को लेकर दिए गए सख्त आदेश के बाद तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में 22 मई से 8 जून तक अभियान चलाकर योजना से वंचित किसानों को लाभ दिए जाने का निर्देश उपजिलाधिकारी ने सभी संबंधित कर्मचारियों को दिया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना दिसम्बर 2018 से संचालित योजना के अंतर्गत कृषकों के भूलेख का सत्यापन कर डाटाबेस में अपलोड करने की कार्यवाही 12वीं किस्त निर्गत करने से पूर्व की गई है। उक्त कार्यवाही से यद्यपि अधिकांश पात्र कृषकों का भूलेख अद्यावधिक कर दिया गया है, परंतु फिर भी कतिपय कृषक भूलेख सत्यापन से आच्छादित नहीं हो पाये हैं। शासन द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत तहसील के समस्त पात्र कृषकों से संतृप्तीकरण के उद्देश्य से वृहद ग्राम पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन कराये जाने का आदेश दिया गया है। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में लगने वाले शिविर में केन्द्र सरकार के कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 13वीं किस्त निर्गत करने से पूर्व सभी पात्र कृषकों के बैंक खाते को आधार से लिंक किया जाना है। कृषक द्वारा ओपेन सोर्स से आवेदन कर दिया गया हो, परन्तु उक्त को स्वीकृत न किया गया हो एवं आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित चल रहा हो, भूलेख के अद्यावधिक न हो पाने के कारण आगामी किस्ते प्राप्त न हो रही हो, पूर्व से स्वीकृत कृषकों का भूलेख का सत्यापन होने के पश्चात भी आधार का लिंक बैंक खाते से नहीं हो पाया हो। उक्त सभी श्रेणी के पात्र कृषको को लाभ दिलाना शासन की पहली प्राथमिकता है। अतः शासन द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि जनपद में ग्राम पंचायत व न्यायपंचायत स्तर पर दिनांक 22 मई से दिनांक 16 जून तक व्यापक पीएम किसान लाभार्थी संतृप्तीकरण अभियान संचालित किया जायेगा। अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में सभी संबंधित विभागीय कर्मचारी की उपस्थिति में ग्राम पंचायत की बैठक कर शिविर आयोजित किया जाएं। शिविर में ऐसे सभी पात्र कृषक, जो उक्त विभिन्न कारणों से लाभ पाने से वंचित है का डाटा व अभिलेख पूर्ण कराते हुए समस्त ग्राम पंचायतों को इस योजना से संतृप्त किया जाय। इस शिविर में नोडल कृषि विभाग, राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहित कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में अरुण कुमार मिश्रा उपजिलाधिकारी सिकन्दरपुर ने बताया कि किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को 13वीं सम्मान निधि प्रदान की जानी है, इसके लिए पूरे तहसील में चरण बद्ध तरीके से किसानों की समस्याओं का समाधान करने हेतु टीम गठित कर दी गई है, जो मौके पर ही समस्या का निस्तारण कर देगी।

कर्नाटक में ऐतिहासिक जीत पर कांग्रेसियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मनाई खुशियां

बलिया। जनपद में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कर्नाटक की ऐतिहासिक जीत के बाद सरकार गठन के उपरांत बलिया कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष उमाशंकर पाठक के नेतृत्व में सभी कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर और पटाखा फोड़ कर अपने शीर्ष नेतृत्व के ऐतिहासिक जीत पर कर्नाटक की जनता को बधाई देने का कार्य किया । इस अवसर पर उमाशंकर पाठक ने कहा कि कर्नाटक की जीत और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को उत्साह और उमंग के साथ पूरे देश में कांग्रेसी कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश राजस्थान सहित सभी आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के ऐतिहासिक जीत के लिए साथ ही 2024 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए अधिकृत संकल्पित होकर गांव-गांव और गली-गली जाकर कांग्रेस पार्टी के विचारों को बताने का कार्य करेंगे । वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा बढ़ती हुई महंगाई बेरोजगारी केंद्र सरकार द्वारा गलत नीतियों के चलते आम जनता वर्तमान में अपना जीवन बसर काफी परेशानियों से गुजर कर रही है।

बस स्टॉप के समीप जाम की जाम की समस्या बनी लाइलाज बीमारी

बिल्थरारोड (बलिया)। स्थानीय बस स्टॉप के समीप जाम की जाम की समस्या लाइलाज बीमारी बन गई है। जिससे स्कूल बच्चों को आवागमन में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।जाम के बावजूद स्थानीय प्रशासन उदासीनता देखने को मिला रहा है। इस संबंध में सीयर पुलिस चौकी देवेंद्र कुमार ने कहा कि इस समस्या का शीघ्र ही निजात दिलाने का प्रयास किया जाएगा। बलिया व गोरखपुर वाया दोहरीघाट मार्ग पर स्थित बिल्थरा रोड बस स्टेशन के पास वाहनों का जाम लगाना आम बात हो गया है। बस स्टेशन के पास सुबह पुलिस प्रशासन की उपस्थिति ना रहने से वाहन चालक एवं स्थानीय लोगों की मदद से उस जाम को समाप्त कराने की पहल होती आ रहा है। जाम के चलते आवागमन बाधित हो जाता है। जिससे स्कूल आने जाने वाले बच्चों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। हर रोज लगी वाहनों की लम्बी कतार के चलते बस स्टेशन पर जाम जाम लग जाने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना उठाना पड़ता है।

तीर्थायन की चतुर्थ श्रृंखला सम्पन्न: पुराणोक्त 1100 काशीस्थ तीर्थ स्थलों के दर्शन-संकल्प के क्रम में विश्वेश्वर खंड तक पहुंची यात्रा

प्रखर वाराणसी। जंगमबाड़ी मठ स्थित कश्यपेश्वर महादेव मंदिर से तीर्थायन क्रम के चौथे सोपान की यात्रा आज प्रातः 6.30 बजे शुरू हुई। आज की यात्रा के संरक्षक आई आई टी , बी एच यू के प्रोफेसर व एकेटीयू के पूर्व कुलपति प्रो प्रदीप कुमार मिश्र एवम प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ विजय नाथ मिश्र थे। सम्मानित अतिथि के रूप में नेपाल से भास्कर मिश्रा का आगमन हुआ था; जिन्होंने यात्रा से जुड़े प्रमुख लोगों का नेपाली टोपी के द्वारा सम्मान किया।

यात्रा की शुरूआत में सरक्षकगण ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि - "विश्व की प्राचीनतम, धर्म की नगरी काशी में पुराणोक्त लगभग 1100 से भी ज्यादा मंदिरों का उल्लेख है। काशी के अंतस में धर्म, दर्शन, संस्कृति और जनजीवन के अनूठे रहस्य छिपे हुए हैं। इन रहस्यों का उद्घाटन उनके नजदीक पहुंच कर ही किया जा सकता है। तीर्थ स्थलों , देव मंदिरों तथा सनातन संस्कृति की अप्रतिम धरोहरों को जानने - समझने के संकल्प को तीर्थायन नाम से एक अभियान के रूप में शुरू किया गया है। कहने को यह धार्मिक यात्रा का एक क्रम है , लेकिन इसके अंदर अपनी सांस्कृतिक समझ को विकसित करते हुए संरक्षण व संवर्धन के असीम आयाम छुपे हुए हैं।

काशीस्थ तीर्थों के दर्शनक्रम से शुरू यह अभियान दिन प्रति गहन संवेग के साथ आगे बढ़ रहा है। तीर्थायन को काशी के प्रबुद्ध सचेत समाज का जनसमर्थन तथा सक्रिय सहभाग मिलना अत्यन्त उत्साहजनक है। "

सुबह 6.30 बजे काशी के तीर्थों की परिक्रमा के अभियान तीर्थायन के चतुर्थ सोपान के अंतर्गत आज

यात्रा के तहत आने वाले 21 मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ लोगों ने विधिवत दर्शन-पूजन किया।

दर्शन के 21 प्रमुख मंदिर

कश्यपेश्वर महादेव, जंगमबाड़ी मठ,

अंगरीश्वर महादेव , " "

छिन्नमस्तिका देवी (दश महाविद्या)

गरुणेश्वर महादेव , देवनाथपुरा

पातालेश्वर महादेव (पातालेश्वर गली)

सिद्धेश्वर महादेव "

नैरितेश्वर महादेव "

हरिश्चंद्रेश्वर महादेव "

अंगिरेश्वर महादेव "

पुष्पदंतेश्वर महादेव "

एकदंत विनायक " (पातालेश्वर गली)

दधीचीश्वर महादेव "

भूतेश्वर महादेव , (भूतेश्वर गली)

भारद्वाजेश्वर महादेव , "

ब्रह्मेश्वर महादेव, (खालिसपुरा)

सिंहतुंड विनायक "

अगस्तेश्वर महादेव (अगस्तकुंडा)

अगस्त्य कुंड (लुप्त)

महर्षि अगस्त्य ऋषि "

मां लोपमुद्रा देवी "

श्री केदारेश्वर महादेव (अगस्तकुंडा)

जारी किया गया तीर्थायन का अर्धवार्षिक कैलेंडर

तीर्थायन के संचालन समिति की तरफ से यात्रा संबंधी अर्धवार्षिक कैलेंडर तैयार करके जारी किया गया ताकि नियमित यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो सके। आगामी यात्रा तिथियों की घोषणा करते हुए-

4 जून2023, 18 जून ,2 जुलाई ,16 जुलाई ,30 जुलाई ,13 अगस्त ,27 अगस्त ,10 सितंबर ,24 सितंबर ,8 अक्टूबर ,22 अक्टूबर तथा 5 नवंबर 2023 (सभी तिथियां रविवार की तथा पाक्षिक हैं) का निर्धारण किया गया। यात्रा में जुड़ रहे लोगों को सम्यक सूचनाएं प्रेषित करने के उद्देश्य से तीर्थायन नामक एक व्हाट्सअप ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें जुड़ने के इच्छुक 9807606000 पर मैसेज करके जुड़ सकते हैं।अंत में घाट वॉक के संस्थापक डॉ विजय नाथ मिश्र ने आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया। आज के तीर्थायन में प्रमुख रूप से प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र, प्रो. विजयनाथ मिश्र, डॉ. अवधेश दीक्षित, शैलेश तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अमरेंद्र पांडेय, अजय शर्मा, पी के झा, जगन्नाथ ओझा, ऋषि झींगरण, बलराम यादव, रजनीकांत त्रिपाठी,अभिषेक यादव, संजय शुक्ल अनुज चतुवेर्दी, महेश उपाध्याय, चक्रपाणि ओझा, कपिंद्र तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा,रजनीकांत त्रिपाठी, मृत्युंजय मालवीय, डॉ. नीरज पांडेय, अमितेश पांडेयआनंद राय, वाचस्पति उपाध्याय, सरिता गुप्ता, चंदना रथ, पयस्विनी, अन्नपूर्णा पांडेय, विनय शुक्ल, सत्यम पांडेय सहित 150 से अधिक लोग शामिल रहे।

डिम्पल कपाड़िया वापस घर की उड़ान भर ली थी

'सास, बहू और फ्लेमिंगो' सीरीज की शूटिंग रोमांचक थी। होमी अदजानिया ऐसी ही घटना बता रहे हैं, जब डिम्पल कपाड़िया ने 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' की शूटिंग छोड़ दी थी। अदजानिया ने कहा, हम जब भी कोई प्रोजेक्ट करते हैं, तब डिम्पल शूटिंग से एक हफ्ता पहले बाकी काम छोड़ देती हैं। वह मुझे कॉल करती हैं और चिंतित होकर बच्चे जैसा व्यवहार करने लगती हैं, जैसे कि पहली बार काम कर रही हों। इस बार वह एक कदम आगे बढ़ गईं। हम डिनर टेबल सीन की शूटिंग कर रहे थे, जिसमें वह घोषणा करती हैं कि जन्माष्टमी के बाद वाले दिन वह वारिस तय करने वाली हैं। वह खुश नहीं थीं। उन्होंने टेक दोबारा करने का अनुरोध किया। होमी ने बताया, वरुण का काम पूरा हो चुका था और वह आधी रात को वापस होटल की ओर ड्राइव कर रहे थे, जो एक घंटे की दूरी पर था। राधिका भी 48 घंटों से सोई नहीं थी, क्योंकि वह दूसरी शूटिंग से सीधे इसके लिए आ गई थी। तभी डिम्पल ने याद दिलाया कि उन्हें दूसरा टेक लेना है, यह डिम्पल का व्यवहार नहीं था लेकिन वह अपने परफॉर्मेंस से खुश नहीं थी, सबसे कम मेहनत करवाने वाली एक्टर हैं। हम वापस होटल गए, सोये और सुबह नाश्ते के वक्त उनसे मिले और उन्होंने कहा कि शेड्यूल के बीच वह असल में मुंबई लौटने के लिए एयरपोर्ट चली गई थीं क्योंकि वह आगे काम करना नहीं चाहती थीं। भाग्य से वह लौट आईं और हालात बेहतर हो गए। डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही इस सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है, इसमें डिम्पल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार की मुख्य भूमिकाएं हैं।

बॉलीवुड

अमृता राव ने शादी के चौंकाने वाले खर्च का खुलासा किया

अमृता राव और आरजे अनमोल ने कपल ऑफ थिंग्स के 'एनिवर्सरी स्पेशल' एपिसोड में चौंकाने वाला खुलासा किया। जोड़े ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी शादी पर केवल 1,50,000 खर्च किए, जिसमें उनकी शादी के कपड़े, स्थल, यात्रा लागत और अन्य खर्च शामिल थे। विवाह अभिनेत्री ने विशेष रूप से जोर देकर कहा कि वह और अनमोल अपने विशेष अवसर के लिए डिजाइनर कपड़े नहीं पहनना चाहते थे बल्कि केवल 3,000 की लागत वाले बहुत ही पारंपरिक और सुरुचिपूर्ण पहनावे के लिए तय हो गए। शादी का वेन्यू महज 11,000 रुपए खर्च कर तैयार किया गया था। उनके कम महत्वपूर्ण शादी के खर्चों ने आश्चर्यचकित कर दिया और उदाहरण बना दिया कि शादी कैसे यादगार और बजट के अनुकूल दोनों हो सकती है। अमृता ने साझा किया, हम हमेशा मानते थे कि शादियां प्यार के बारे में होनी चाहिए, धन और आडंबर दिखाने के बारे में नहीं। हम चाहते थे कि हमारी शादी सिर्फ हमारे करीबी परिवारों और करीबी दोस्तों के साथ सुंदर, अंतरंग संबंध हो, हमें खुशी है कि हम ज्यादा खर्च किए बिना इसे प्राप्त करने में सक्षम हो पाए।

नीना गुप्ता ने दूर भगाया मसाबा का डर

जी के रु माय फर्स्ट स्टोरीटेलर, में बड़ी खूबसूरती से बच्चे की पहली स्टोरीटेलर के रूप में मां की भूमिका को उजागर किया गया है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे मांएं अपनी कहानियों के जरिए बच्चों में उत्सुकता जगाकर उन्हें जिंदगी की राह दिखाती हैं। मांओं से सुनी गईं पहली कहानियां ही हमें हमारी जड़ों से जोड़ती हैं, हमें खास सांचे में ढालती हैं, जो आगे चलकर समाज को आकार देती हैं पॉपुलर फैशन डिजाइनर एवं एक्ट्रेस मसाबा गुप्ता ने अपनी जिंदगी का खास सबक शेयर किया, जो उन्होंने अपनी पहली स्टोरीटेलर, अपनी मां एक्टर नीना गुप्ता से सीखा था। मसाबा ने बताया कि किस तरह इस सीख ने उनके मूल्यों का आधार रखा, जो आज भी उनके साथ हैं। मसाबा ने अपनी पोस्ट में लिखा है, मांओं को हमारी जिंदगी की पहली स्टोरीटेलर्स के नजरिए से देखने का आइडिया मुझे बहुत अच्छा लगा। जब उनकी टीम ने मुझसे मेरी पहली स्टोरीटेलर यानी मेरी मां के बारे में अपनी प्यारी याद साझा करने को कहा, तो मुझे याद आया कि वो किस तरह मुझे आराम महसूस कराती थीं। बचपन में मुझे अंधेरे से डर लगता था। जब मैं 4 साल की थी तो मैं सोने से घबराती थी। हर रात मां मुझे कसकर थाम लेती थीं और मेरे साथ गायत्री मंत्र बोलते हुए मुझे सुलाती थीं, चाहे वो कितनी भी बिजी रहें। ऐसी ही एक रात उन्होंने मुझे गायत्री मंत्र का मतलब समझाया और इसकी शक्ति के बारे में बताया। यह कुछ ऐसा है जो अब भी मेरे जहन में है। आज भी जब मुझे किसी चीज से डर लगता है या मैं कोई नया काम करती हूं तो मैं गायत्री मंत्र का बोलती हूं, अपनी मां को याद करती हूं और आगे कदम बढ़ाती हूं। उनका प्यार और सपोर्ट हर दिन मेरे साथ रहता है। यह एक ऐसी तरकीब है, जो हमेशा काम आती है। आज मैं जो कुछ भी हूं वो उन मूल्यों की वजह से हूं जो मैंने उनकी कहानियों के जरिए अपनी जिदगी में उतारे हैं।

धन्यवाद दिया जयदीप अहलावत ने

जयदीप अहलावत अभिनीत पाताल लोक ने रातोंरात स्टार बना दिया। जयदीप के करियर के टर्निंग पॉइंट माने जाने वाले इस शो को तीन साल पूरे हो गए। अहलावत ने सोशल मीडिया पर धन्यवाद नोट लिखा। शो के असली बूगीमैन, पटकथा लेखक सुदीप शर्मा को विशेष रूप से धन्यवाद भी दिया। जयदीप ने लिखा, हाथी राम चौधरी के साथ मास्टर जी सुदीप शर्मा 'द रियल बूगीमैन' ...पाताल लोक के पीछे का असली

नायक। आई लव यू भाई, पाताल लोक के 3 साल, मैं सभी के प्यार के लिए बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। सीजन एक की सफलता के बाद, जयदीप अहलावत की पाताललोक सीजन 2 के लिए पूरी तरह तैयार है, और इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। अपराध को मिटाने के लिए दृढ़ निश्चयी और उग्र पुलिस वाले की भूमिका निभाते हुए, हाथी राम चौधरी ने पाताल लोक के लिए जयदीप को अपना पहला फिल्मफेयर पुरस्कार जिताया, जिससे यह शो अभिनेता के लिए हमेशा के लिए खास बन गया। गैंग्स ऑफ वासेपुर, खट्टा मीठा, रॉकस्टार, रईस, राजी जैसी कुछ बहुत लोकप्रिय फिल्मों का हिस्सा होने के साथ, जयदीप ने अमेजन प्राइम वीडियो के पाताल लोक में मुख्य भूमिका निभाई।

कांस में डायना पेंटी

कान्स फिल्म फेस्टिवल डायना पेंटी की ग्लैमरस उपस्थिति का गवाह बनने के लिए तैयार है, क्योंकि वह दूसरी बार इसकी शोभा बढ़ा रही हैं। डायना प्रसिद्ध स्पिरिट्स ब्रांड ग्रे गूज के साथ साझेदारी करेंगी। डायना ने कहा, भारत ने प्रतिष्ठित कान फिल्म समारोह में बड़ी पहचान और सराहना देखी है। मैं उत्साहित हूं। अपने फैशन चॉइसेस और करिश्माई व्यक्तित्व के साथ, डायना ने वैश्विक फैशन आइकन के रूप में मोहित कर लिया है।

गोडे गोडे चाअ

पंजाब में शादियां मस्ती और मजाक से भरे त्योहार से कम नहीं होती। 'सखियां सहेलियां', 'अल्लड़ा दे' जैसे बहुचर्चित ट्रैक जारी करने के बाद, 'गोडे गोडे चाअ' के निर्माताओं, जी स्टूडियोज और वी एच एंटरटेनमेंट ने अब फिल्म का तीसरा ट्रैक 'नजरें' रिलीज कर दिया है। यह गीत अनिवार्य रूप से पंजाबी पुरुषों द्वारा दिन में शादी की दीवानगी

को दर्शाता है। यह गीत पुराने समय का आकर्षण लाता है, जिसमें हवा में दागे गए गन शॉट्स, पागलपन वाले डांस स्टेप्स और नोट उड़ते हैं। यह गीत कुलविंदर बिल्ला ने गाया है, कप्तान द्वारा गीत लिखा गया है और संगीत एनवी ने दिया है। फिल्म में सोनम बाजवा, तानिया, गीताज बिंद्रखिया, गुरजैज, सरदार सोही, निर्मल ऋषि और रूपिंदर रूपी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'गोडे गोडे चाअ' उन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पंजाब में प्रचलित समाज के पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को चुनौती देती हैं। यह 26 मई को रिलीज होगी।

चार्टर्ड अकाउंटेंट टीना फिलिप का पैशन

जी टीवी का 'कुमकुम भाग्य' में रिया (टीना फिलिप) है। फिलिप 6 साल पहले मैनचेस्टर से मुंबई आ गई थीं। टीना चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जो हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। टीना ने बताया, मैं आईआईटी इंजीनियर्स और डॉक्टर्स की फैमिली से आती हूं। जाहिर था कि मुझे भी ग्रेजुएट से कुछ ज्यादा बनना था। हालांकि मैंने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर से बीएससी (ऑनर्स) मैथ्स में ग्रेजुएट किया था लेकिन सिर्फ बैचलर्स डिग्री काफी नहीं है। मैंने पूरे 15 एग्जाम पास किए, जो मेरी अब तक की सबसे कठिन परीक्षाएं थीं। लेकिन एक्टिंग में हमेशा मेरा दिल लगता था। जब मैंने मैनचेस्टर के लोकल थिएटर में एक्टिंग की तो मुझे बड़ी जिंदादिली और आज़ादी का एहसास हुआ। मैं दो सालों तक थिएटर ग्रुप का हिस्सा थीं और एक्टिंग के लिए मुंबई आ गई। उन्होंने कहा, मैं गूगल पर चीजें ढूंढा करती थी, जैसे मुंबई में एक्टर कैसे बनें और आखिर मैं अपने पैशन से अपनी जिंदगी जी रही हूं और मैं चाहती हूं कि मैं हर दिन काम करती रहूं।

गर्मियों में दमकती त्वचा का राज

गर्मियों में त्वचा को ऑयली, बेजान अथवा टैन होने से बचाना बहुत जरूरी होता है। गर्मी के पूरे सीजन के दौरान त्वचा को स्वस्थ, दमकती और हाइड्रेटेड बनाए रखने के लिए, कलाकार अपने सीक्रेट स्किनकेयर रूटीन्स के बारे में बता रहे हैं-

नेहा जोशी- हाइड्रेट टु रेडिएट यह स्किनकेयर का वह गोल्डन रूल है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मैं फिलहाल जबरदस्त गर्मी वाले शहर जयपुर में अपने शो की शूटिंग कर रही हूं। यहां पर इतनी भयंकर गर्मी है कि लगता है कि सूरज हर चीज को पिघलाने पर उतारू है। त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने लिए जरूरी चीज है दिन में कम से कम तीन लीटर पानी रोजाना। यह नेचुरल डी-टैनर है, जिससे मुझे अपनी स्किन को फ्रेश और हेल्दी बनाए रखने में मदद मिलती है। मैं हफ्ते में दो बार अपने चेहरे पर दही से मसाज करती हूं, क्योंकि यह हाइड्रेटिंग एक्सफोलिएटर है, जो डेड स्किन सेल्स को हटाता है, दाग-धब्बों को कम करता है और स्पॉट क्लींजर के रूप में काम करता है।

कामना पाठक- गर्मियों में त्वचा को अतिरिक्त प्यार और देखभाल की जरूरत होती है। चिलचिलाती धूप और पसीने की वजह से अक्सर चेहरा ऑयली और बेजान नजर आ सकता है। मेरे पास सीक्रेट औषधीय उपाय है, जो त्वचा में नई जान फूंक सकता है, वह है गुलाब जल। यह दमदार स्किन टॉनिक है, जो त्वचा की सतह पर खून के संचार को बढ़ाता है, यह मेरा पसंदीदा समर स्किनकेयर हैक है। यह विटामिन्स और ढेरों मिनरल्स जैसे कि कैल्शियम और पोटैशियम से भरपूर होता है, जो हमारी त्वचा की कोशिकाओं को स्वस्थ बनाने के लिए जरूरी हैं। गुलाब जल सभी तरह की त्वचा के लिए फायदेमंद है फिर चाहे आपकी स्किन कितनी भी सेंसेटिव क्यों न हो। मैं 100 एमएल गुलाब जल में बड़ा चम्मच शुद्ध ग्लिसरिन मिलाती हूं। मैं चेहरे और बांहों के लिए उसका इस्तेमाल करती हूं। मैं उसे हमेशा अपने साथ रखती हूं।

विदिशा श्रीवास्तव- गर्मी और पसीना देखते हुए, त्वचा को साफ और झंझट से मुक्त रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए मैं स्किनकेयर रुटीन को अपनाती हूं। मेरा भरोसेमंद नुस्खा है आसान लेकिन असरदार फेस स्क्रब, जिसमें दो बड़े चम्मच सी सॉल्ट, बड़ा चम्मच ताजा नींबू का रस और जैतून के तेल की कुछ बूंदें होती हैं। मैं इस स्क्रब को सप्ताह में कम में कम दो बार अपने चेहरे पर लगाती हूं ताकि गंदगी और अतिरिक्त तेल हट सके और मेरी त्वचा को ताजगी मिले और उसमें नई जान आए। चेहरे को बटरमिल्क से धोती हूं। इससे न सिर्फ त्वचा की जलन दूर होती है बल्कि उसमें चमक भी आती है, क्योंकि दही प्राकृतिक ब्लीच होता है। होठों और गर्दन को एक्सफोलियेट करना न भूलें।

शरारती हैं पारस

जी टीवी के शो 'कुंडली भाग्य' में पारस कलनावत, बसीर अली और सना सैयद जैसे एक्टर्स की एंट्री हुई है। पारस और रोज सरदाना (माही)

भी सेट पर बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। रोज बताती हैं, चूंकि पारस और मैं बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। सेट पर हमारी आपसी शरारतें, और बसीर अली, सना सैयद एवं बाकी कलाकारों के साथ मसखरी और जोक्स बहुत मशहूर हो गए हैं। हम लोगों को हंसाते हैं और अजीबोगरीब शरारतें करते हैं। पारस को पता चला कि मुझे छिपकलियों से डर लगता है, कुछ ही दिनों में वो नकली छिपकली ले आया और उसे मेरी तरफ फेंका। मैं खूब हंसी।

करण सूचक की एंट्री

अभिनेता करण सूचक जल्द ही स्टार भारत के शो 'ना उम्र की सीमा हो' में 'जय' के रूप में शामिल होंगे। करण बताते हैं, मैं कई सालों से टेलीविजन का हिस्सा रहा हूं। मैं कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण ढूंढ रहा था इसलिए मैंने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। मैंने इससे पहले अभिनेता इकबाल खान के साथ काम नहीं किया लेकिन उन्होंने पहले दिन चॉकलेट उपहार में देकर मेरा स्वागत किया। मैंने दीपशिखा नागपाल के साथ काम किया है, उनके साथ यहां दोबारा काम करते हुए मुझे खुशी हो रही है।

टीवी

जयति अहम भूमिका में

जयति भाटिया सोनी सब के दिल दियां गल्लां की कास्ट में शामिल होने के लिए तैयार हैं। यह परिवार की कहानी है, जो गलत परिस्थितियों, आहत भावनाओं और निहित विश्वासों के कारण टूट गया है। यह गलतफहमियां तीन पीढ़ियों के बीच मतभेद पैदा करती हैं। जयति मजबूत और क्रूर महिला तवलीन की भूमिका निभाएंगी, जो बरार परिवार से बदला लेने के लिए लौटी है। जयति ने कहा, तवलीन मजबूत व्यक्तित्व वाली महिला है, जो अपनी बेटी के साथ गलत करने वालों से बदला लेने के लिए लंबे समय के बाद वापस आई है। यह चुनौतीपूर्ण भूमिका है।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाते सुमीत

सुमीत राघवन और परिवा प्रणति पशु प्रेमी हैं, उन्हें आवारा पशुओं को पालना पसंद है। वे न सिर्फ उन्हें खाना खिलाते हैं बल्कि उन्होंने इनके लिए अपना ड्रेसिंग रूम भी खोल दिया है। उन दोनों की वैनिटी हमेशा बिल्लियों से अटी रहती हैं। सुमीत और परिवा दृढ़ विश्वास रखते हैं जहां पालतू पशु होता है, वहां मुस्कान होती है। सुमीत ने कहा, जानवरों के लिए मेरे दिल में हमेशा विशेष स्थान रहा है, लेकिन मैंने कभी पालतू जानवर रखने के बारे में नहीं सोचा। हालांकि, 2018 में मैंने आवारा पशुओं को अपनाना शुरू किया। इसकी शुरुआत कुत्ते के साथ हुई थी, जो इंडी नस्ल का था। बिल्लियों के साथ-साथ आवारा पशुओं के लिए मेरा प्यार भी बढ़ता गया। मैं अब तीन बिल्लियों और दो कुत्तों की देखभाल करता हूं, जो मेरे परिवार का अभिन्न अंग हैं। वागले की दुनिया के सेट पर हम हर दिन करीब 10 बिल्लियों को खाना खिलाते हैं। परिवा ने कहा, मुझे हमेशा से जानवरों से प्यार रहा है, मैं गिलहरी से लेकर पक्षी तक सभी पशुओं को बचाती थी। मैं रात को लगभग 11 बजे बाहर जाती हूं और जितने आवारा कुत्तों को पाती हूं, उन्हें खाना खिलाती हूं। इसमें मुझे लगभग 45 मिनट लगते हैं।

पैनिक अटैक्स के खतरों में अल्मा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'सपनों की छलांग' में मेघा रे प्रमुख नायिका का रोल निभा रही है। अब उसे रूममेट्स के साथ एडजस्ट करने के अलावा सख्त बॉस को प्रभावित करना होगा। प्रीति ढींगरा राधिका की रूममेट के किरदार के जरिए पैनिक अटैक्स के खतरों को उजागर करता है, जिसे अल्मा हुसैन निभा रही है। अल्मा कहती हैं, मेरा किरदार प्रीति दिल की साफ है और अपने आसपास की स्थितियों से गहराई से प्रभावित होती है। वो अपनी अंदरूनी लड़ाई लड़ रही है, जिसमें वो जरूरत से ज्यादा सोचती है और उसे अपनी फिक्र और पैनिक अटैक्स सताते हैं। प्रीति ढींगरा जैसा किरदार लिखा जाना चाहिए और उनकी कहानियां बताई जानी चाहिए क्योंकि जो उसकी तरह रियल हो। मैंने लोगों को उस तरह की समस्याओं से जूझते हुए देखा है, जो सारा बोझ अपने मन में लेकर चलते हैं।

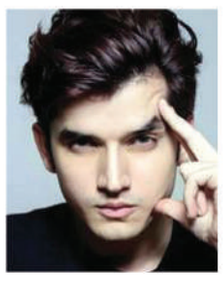

विशाल ने बयां किया अपना सफर

स्टार भारत के शो 'मेरी सास भूत है' में राहुल अवस्थी की भूमिका निभा रहे अभिनेता विशाल चौधरी ने अपने अभिनय करियर से जुड़े कुछ खास किस्से शेयर किए। विशाल ने बताया, मेरे परिवार में आज तक कोई राजस्थान से बाहर नहीं गया है, सैटल्ड परिवार, आराम वाला जीवन और मालपुए छोड़कर मैं मुंबई में आ धमका। माता पिता बचपन से ही डॉक्टर और इंजीनियर की बनने की रट लगाते है। ये मेरे मन में भी बैठ भी गया था, लेकिन मैंने थिएटर ज्वाइन किया और मॉडलिंग करनी शुरू की। मैं लॉ ऑफ अट्रैक्शन पर विश्वास करता हूं, जो आप सोचोगे और करना चाहोगे उसके लिए प्रकृति सहायता करती है, हमें बस वो स्ट्रांग फ्रीक्वेंसी क्रिएट करनी है। मेरे दोनों भाई डॉक्टर हैं और पापा मेडिकल डिपार्टमेंट के डायरेक्टर हैं। घर वाले चाहते थे कि मैं भी डॉक्टर बनू।

मैंने चीट डेज छोड़ दिए : अरिजीत

कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 13' स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो है। अभिनेता अरिजीत तनेजा ने इसकी तैयारी के लिए नया फिटनेस रूटीन अपनाया है। अरिजीत ने कहा, मैं हमेशा से इस शो का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैं वास्तव में इसमें शामिल होने जा रहा हूं। कड़ी मेहनत करने को तैयार हूं। मैं खुशकिस्मत हूं। सलमान खान और क्रिस हेम्सवर्थ हमेशा से मेरे आदर्श रहे हैं और मैं उनकी फिटनेस यात्रा से जितना हो सके सीखने की कोशिश कर रहा हूं। मैं उत्साहित हूं और अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। चीट डेज का तो सवाल ही नहीं उठता।

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी प्राची

शेमारू उमंग क 'कुंडली मिलन' में अभिनेत्री प्राची बोहरा का नाम भी शामिल हो गया है। प्राची ने बताया, जब मुझे खबर मिली कि मुझे चुना गया है, तो मैं राधारानी की कृतज्ञता से अभिभूत हो गई। यह ऐसा अवसर था, जिसे मैं हाथ से जाने नहीं दे सकती थी, मैं इस किरदार को अपना सौ प्रतिशत देने के लिए पूरी तरह तैयार थी। मथुरा की भूमि पर आधारित, कुंडली मिलन पारिवारिक ड्रामा है, जो रिचा और अंजलि के इर्द-गिर्द घूमता है।

सामाजिक मुद्दों को करना चाहता हूं : प्रणीत

प्रणीत भट्ट जाने-माने अभिनेता हैं, जिन्हें आज भी लोग मामा शकुनि के किरदार के लिए जानते हैं। उन्होंने कई बड़े ड्रामा में काम किया है। प्रणीत भट्ट बताते हैं, मुझे बताया गया था कि 'आशाओं का सवेरा धीरे धीरे से' शो में मेरा किरदार साइड रोल है। फिर भी मैंने इस रोल का चुनाव किया। चूंकि यह कहानी विधवा महिला की है। मैं यह मानता हूं कि ऐसी कहानियां लोगों तक पहुंचनी चाहिए। क्योंकि यहां बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सिद्धार्थ तिवारी न केवल मेकर हैं बल्कि राइटर भी हैं, जिन्होंने इससे पहले भी कई सामाजिक मुद्दों से जुड़े शोज बनाए हैं। प्रोफेशनल थिएटर आर्टिस्ट होने के नाते मैं अभिनय कला से समाज को अपने हिस्से का योगदान देना चाहता हूं।

दिल छूने वाली परफॉर्मेंस

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का देसी डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3, में दिल्ली के विपुल कांडपाल और उनके कोरियोग्राफर रक्तिम ठाकुरिया मैं जहां रहूं' गाने पर खास माहौल जगा देंगे। तीनों जज - टेरेंस लुइस, सोनाली बेंद्रे और गीता कपूर की आंखों में आंसू भर आए। लुइस बताएंगे, जब आप किसी और से लड़ते हैं तो आप घर आ सकते हैं लेकिन यदि घर में कुछ होता है तो उस स्थिति का सामना करना आसान नहीं होता। मैं आज विपुल को फुल मार्क्स देना चाहता हूं। बहुत कम डांसर्स ऐसे हैं जो न सिर्फ अपने चेहरे के एक्सप्रेशन्स में बल्कि अपनी बॉडी लैंग्वेज में इस तरह की समझ पैदा कर पाते हैं। आप चुम्मेश्वरी थे। रक्तिम काफी यंग हैं, लेकिन बहुत इंटेलिजेंट है। हैट्स ऑफ रक्तिम इंडियाज बेस्ट डांसर के कंटेस्टेंट रहे हैं, मुझे आप पर गर्व है। दीपेश और विपुल 7 साल बाद एक दूसरे से मिले, दीपेश पैरेंट्स का ख्याल रख रहे हैं और उन्होंने डांस छोड़कर कॉरपोरेट करियर अपनाया ताकि छोटे भाई का डांसर बनने का सपना पूरा हो सके।

100 एपिसोड्स पूरे

जी टीवी का शो 'मैत्री' में आए 6 साल के लीप के बाद मैत्री और नंदिनी का रिश्ता बदल चुका है। शो ने सफलतापूर्वक 100 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर सेट पर छोटा-सा केक काटकर जश्न मनाया गया। श्रेनु पारिख ने बताया, हमें जबर्दस्त तारीफें मिलीं। लगता है जैसे कल की ही बात हो। यकीन नहीं होता कि हमने 100 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं। निमश तनेजा ने कहा, मुझे संतुष्टि महसूस हो रही है, सभी के साथ खास पल सेलिब्रेट किए। भाविका चैधरी बताती हैं, हम वाकई बहुत मेहनत कर रहे हैं और जब इस तरह की उपलब्धि हासिल होती है तो लगता है उस पल से ज्यादा अनमोल और कुछ नहीं होता।

SIP - TIPS

म्यूचुअल फंड में लें बढ़िया रिटर्न

भविष्य की फाइनेंशियल प्लानिंग में म्यूचुअल फंड का अपना अहम स्थान है। कुछ फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मानना है कि म्यूचुअल फंड के बिना कोई भी फाइनेंशियल प्लानिंग अधूरी कहलाती है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश को भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। म्यूचुअल फंड को अपनी वित्तीय योजना में शामिल करने के लिए सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) के जरिए निवेश एक अच्छा कदम कहा जा सकता है। आज हम आपको कुछ टिप्स दे रहे हैं, म्यूचुअल फंड में निवेश करते वक्त अगर आप इन टिप्स का ध्यान रखेंगे तो आपका रिटर्न बेहतर हो सकता है

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

सिप के जरिए निवेश

फूलों के रस की एक-एक बूंद से ढेर सारा शहद एकत्र करने की मधुमक्खियों की कला से सीख लेते हुए आम निवेशक द्वारा भी सिप के जरिए हर माह छोटी-छोटी रकम निवेश करके भविष्य के लिए एक अच्छा फंड तैयार किया जा सकता है। यहां तक कि लंबी अवधि के इस निवेश से कोई भी निवेशक करोड़पति भी बन सकता है।

भविष्य की फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए किए जाने वाले निवेश में म्यूचुअल फंड का अहम रोल होता है। अगर आप अपने भविष्य के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग कर रहे हैं तो इसकी शुरुआत म्यूचुअल फंड के जरिए कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश के दो तरीके हैं पहला तरीका एकमुश्त निवेश का है और दूसरा तरीका सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) का है। अगर आपको सिप के जरिए निवेश करने का तरीका समझ में नहीं आ रहा है तो आपको उन मधुमक्खियों से प्रेरणा लेनी चाहिए जो सर्दियों के मौसम की प्लानिंग पूरे साल तक करती रहती हैं और अपने छत्ते में ज्यादा से ज्यादा शहद एकत्र करने का प्रयास करती हैं ताकि भविष्य में सर्दियों का मौसम आने पर खान-पान में उनको किसी तरह की मुश्किल न पेश आए। यह मधुमक्खियां हर रोज बूंद-बूंद शहद एकत्र करके शहद का बड़ा भंडार बना लेती हैं जो सर्दियों में उनके काम आता है। विश्व मधुमक्खी दिवस 20 मई के अवसर पर आपको इन्हीं मधुमक्खियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और म्यूचअल फंड में हर माह थोड़ी थोड़ी रकम जमा करके अपने भविष्य के लिए धन का अंबार लगा लेना चाहिए।

कैसे शुरू करें निवेश

म्यूचुअल फंड में एकमुश्त निवेश में सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि जब शेयर बाजार लगातार गिरना शुरू होता है तो एकमुश्त निवेश करने वाले लोगों की एनएवी लगातार कम होती है। इससे उनके निवेश की वैल्यू काफी कम हो जाती है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति म्यूचुअल फंड में एकमुश्त निवेश की जगह सिप के जरिए निवेश करता है तो शेयर बाजार गिरने का उसपर ज्यादा असर नहीं होता। उल्टे बाजार गिरने पर भी उसका निवेश जारी रहता है और निवेशक का फंड मैनेजर उसके लिए कम मूल्य पर शेयरों की खरीद कर पाता है। बाद में बाजार चढ़ने पर कम मूल्य पर खरीदे गए शेयरों से खूब फायदा होता है।

कितने साल की सिप में कितनी कमाई

मासिक निवेश	रिटर्न दर	कुल प्राप्ति		
		20 वर्ष	25 वर्ष	30 वर्ष
₹1000	12%	₹999148	₹1897635	₹3529914
₹2000	12%	₹1998296	₹3795270	₹7059828
₹3000	12%	₹2997444	₹5692905	₹10589741
₹4000	12%	₹3996592	₹7590540	₹14119655
₹5000	12%	₹4995740	₹9488175	₹17649569
₹6000	12%	₹5994888	₹11385811	₹21179483
₹7000	12%	₹6994035	₹13283446	₹24709396
₹8000	12%	₹7993183	₹15181081	₹28239310
₹9000	12%	₹8992331	₹17078716	₹31769224
₹10000	12%	₹9991479	₹18976351	₹35299138

सिप के क्या है फायदे

सिप के जरिए निवेश के एक नहीं कई फायदे हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि इसमें कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। अर्थात हर माह जो रिटर्न आपको मिलता है उसको भी आपके निवेश में शामिल कर लिया जाता है और आपकी पूंजी बढ़ जाती है इससे आपके निवेश पर अगले माह ज्यादा रिटर्न मिलता है। इसके अलावा जो लोग एकमुश्त निवेश करने के लिए पर्याप्त रकम नहीं एकत्र कर पाते वे भी अपने भविष्य के लिए अच्छी रकम जोड़ सकते हैं। इसके अलावा शेयर बाजार में आने वाली गिरावट से भी सिप के जरिए निवेश करने वालों को कोई खास नुकसान नहीं होता अलबत्ता एकमुश्त निवेश करने वालों को ज्यादा नुकसान होता है। सिप के जरिए निवेश करने वाले जब चाहें अपनी जरूरत के अनुसार रकम को विड्रॉल भी कर सकते हैं। साथ ही अगर किसी महीने ईएमआई नहीं जाती तो म्यूचुअल फंड कंपनी कोई पेनाल्टी नहीं लेती अलबत्ता निवेशक का बैंक कुछ पेनाल्टी ले सकता है।

निवेश की अवधि का रखें ध्यान

सिप में निवेश की अवधि का ध्यान रखना भी जरूरी है। मान लीजिए आपने अपनी 30 साल की आयु में निवेश शुरू किया और आपका लक्ष्य 60 साल की आयु तक निवेश करने का है तो इस निवेश को किसी भी हाल में तय अवधि से पहले बंद न करें। शार्ट टर्म में सिप फायदे का सौदा नहीं होती इसलिए इसमें लंबी अवधि के लिए ही निवेश करें। विशेषज्ञों का मानना है सिप में निवेश 25 से 30 साल की अवधि में ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। इस लेख के साथ हम आपको एक चार्ट के जरिए समझा रहे हैं कि कितने साल की सिप में कितने निवेश पर कितना फायदा होता है।

मुद्रास्फीति की दर का रखें ध्यान

मान लीजिये आपने 30 साल के लिए सिप शुरू की और इस अवधि में आपको एक करोड़ रुपए मिलने हैं लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि 30 साल बाद महंगाई कितनी बढ़ जाएगी और 30 साल की अवधि के बाद आपको मिलने वाले एक करोड़ रुपए की क्या वैल्यू रह जाएगी। महंगाई के असर से बचने के लिए बीच-बीच में या हर साल कुछ रकम एकमुश्त अपनी सिप में अवश्य डालें। इससे आपका रिटर्न बढ़ेगा और महंगाई के असर से भी आप बचे रहेंगे। इसके अलावा अगर बाजार में गिरावट आ रही है और आपकी एनएवी कम हो रही है तो भी बीच-बीच में कुछ अतिरिक्त रकम अपनी सिप में अवश्य जोड़ें। हर साल आपको जो इंक्रीमेंट मिलता है उसमें से कुछ रकम अपनी सिप में अवश्य डालें। ■

2024 से पहले उठाएं स्वनिधि योजना का लाभ

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अगले साल दिसम्बर में खत्म होने जा रही है। इस योजना के तहत रेहड़ी पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज मुहैया कराया जाता है। अगर कोई स्ट्रीट वेंडर इस योजना का लाभ उठाना चाहता है तो उसे बिना गारंटी वाला लोन हासिल करने के लिए तुरंत आवेदन करना चाहिए

रेहड़ी पटरी (स्ट्रीट वेंडर) वालों को अपना कारोबार शुरू करने या मौजूदा कारोबार को बढ़ाने में मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अगले साल दिसम्बर में खत्म होने वाली है। इस योजना का फायदा लाखों लोग उठा चुके हैं और अपना छोटा-मोटा कारोबार कर रहे हैं। पहले यह योजना 31 मार्च 2023 को खत्म होने वाली थी लेकिन लोगों की रुचि को देखते हुए योजना की अवधि को विस्तार दिया गया है। अब यह योजना दिसम्बर 2024 में खत्म होगी। अगर कोई स्ट्रीट वेंडर रेडीमेड गारमेंट या किराना आदि का कार्य करना चाहता है और उसके पास पैसे नहीं है तो वह इस योजना के तहत गारंटीमुक्त कर्ज के लिए आवेदन कर सकता है। आइए इस योजना के बारे में और ज्यादा जानने की कोशिश करते हैं।

कितना मिलता है कर्ज

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए, दूसरी किस्त के रूप में 20 हजार रुपए और तीसरी किस्त के रूप में 50 हजार रुपए का लोन मिल जाता है। कर्ज लेने वाला व्यक्ति इस रकम से स्ट्रीट वेंडर से जुड़ा कोई भी काम कर सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर कोई व्यक्ति सब्जी की दुकान या ठेला लगाना चाहता है तो वह इस तरह का लोन हासिल कर सकता है। इस धनराशि से सब्जी, जूस, रेडिमेड गारमेंट आदि की स्ट्रीट शॉप खोली जा सकती है।

समय पर कर्ज अदायगी जरूरी

इस योजना के तहत कर्ज की समय पर अदायगी जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति पहली किस्त के रूप में मिले 10 हजार रुपए 12 माह के भीतर अदा कर देता है तो उसे अगली किस्त के रूप में 20 हजार रुपए मिल जाएंगे। इसी तरह जब अगले 18 माह की अवधि में कर्जदार 20 हजार रुपए की किस्तें अदा कर देगा तो वह 50 हजार रुपए की अगली किस्त का हकदार हो जाएगा। यह 50 हजार रुपए की धनराशि अधिकतम 36 माह में चुकानी होगी।

महामारी में बंद कारोबार फिर शुरू करें

इस योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों के अलावा अन्य गरीब परिवारों को भी पात्र बनाया गया है लेकिन कर्ज तभी मिलेगा जब गरीब परिवार का कोई व्यक्ति कर्ज की रकम से कोई कारोबार करने की योजना पेश करेगा। यह योजना खासतौर पर ऐसे लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है जिनका कारोबार कोरोना महामारी के दौरान खत्म हो चुका है और वे अपने पैतृक शहरों को लौट गए हैं और अपने पैतृक शहर में ही कोई कारोबार करना चाहते हैं।

ब्याज पर मिलती है सब्सिडी

इस योजना के तहत मिलने वाली तीनों किस्तों पर कर्जदार को ब्याज सब्सिडी भी सरकार द्वारा मुहैया कराई जा रही है। प्रत्येक किस्त पर सरकार सात फीसद की दर से ब्याज सब्सिडी देती है। इसकी दर में कमी या वृद्धि सरकार जब चाहे कर सकती है।

बिना गारंटी का कर्ज

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बिना गारंटी का कर्ज दिया जा रहा है। कर्ज लेने वाले व्यक्ति से बैंक द्वारा कोई गारंटी नहीं मांगी जाती है अलबत्ता उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए केवाईसी दस्तावेज ही गारंटी का प्रमाण मान लिए जाते हैं।

इसके अलावा डिजिटल लेनदेन करने वालों के लिए कुछ प्रोत्साहन भी हैं। इनमें कैश बैक सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

आवेदन फार्म व अन्य दस्तावेज

यह योजना सभी सरकारी एवं सहकारी बैंकों में उपलब्ध कराई जा रही है। कोई भी स्ट्रीट वेंडर अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर योजना के लिए आवेदन फार्म हासिल करके उसे भरकर जमा कर सकता है। आवेदन फार्म के साथ आधार कार्ड, वोटर आईडी, बिजली का बिल, राशन कार्ड, पैन कार्ड और आवेदक के फोटो की जरूरत पड़ती है इसलिए इन सभी दस्तावेज की छाया प्रति एवं मूल प्रति साथ में लेकर बैंक शाखा में जाना चाहिए। इसके अलावा आवेदन का आधार और पैन लिंक होना भी जरूरी है।

किन्हें मिलेगा कर्ज

इस योजना के तहत सभी तरह के स्ट्रीट वेंडर जैसे किराने की दुकान, धोबी, सब्जी विक्रेता, जूते-चप्पल की मरम्मत करने वाा, चाय, काफी व लस्सी विक्रेता, जूस विक्रेता, फास्ट फूड विक्रेता जैसे समोसा, बर्गर, पकौड़े, स्टेशनरी विक्रेता, फल विक्रेता और गुब्बारे इत्यादि बेचने वाले व्यक्ति भी शामिल किए गए हैं।

पात्रता की शर्तें

स्वनिधि योजना का लाभ उठाने के इच्छुक लोगों के पास नगर निगम, नगर पालिका, तहसील अथवा संबंधित विभाग का लाइसेंस व स्थान आवंटन के दस्तावेज होने जरूरी हैं। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति खाद्य पदार्थ आदि बेचने के लिए लोन हेतु आवेदन करता है तो आवेदन पत्र के साथ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का लाइसेंस होना भी जरूरी है।

(बिजनेस डेस्क)

हर व्यक्ति अपने भविष्य के लिए कुछ न कुछ धनराशि जोड़कर रखना चाहता है लेकिन अज्ञानतावश वह ऐसा नहीं कर पाता। लेकिन अगर वह कोई धनराशि अपने भविष्य के लिए नहीं जोड़ता है तो उसे रिटायरमेंट के वक्त मुश्किलें पेश आ सकती हैं।

नौकरी मिलते ही शुरू करें बचत और निवेश

जब कोई युवा अपनी शिक्षा पूरी करता है तो उसकी सबसे बड़ी चिंता रोजगार हासिल करने की होती है। रोजगार अगर जल्दी हासिल हो गया तो शादी-ब्याह भी जल्दी हो जाता है और व्यक्ति को यह सोचने का मौका ही नहीं मिलता है कि उसे भविष्य के लिए एक फाइनेंशियल प्लानिंग भी करनी है। इसकी वजह यह होती है कि नौकरी मिलते ही व्यक्ति की जेब में पहली बार इतनी रकम आती है कि वह खुशी से फूला नहीं समाता और अनाप-शनाप खर्च करके अपनी रकम गंवाता रहता है। होटलों में रोज लंच या डिनर लेना, खूब घूमना-फिरना, शापिंग मॉल में नित नई खरीदारी करना उसका शगल हो जाता है। अगर परिवार में कोई व्यक्ति ऐसा है जो उसे भविष्य के बारे में सोचने को मजबूर करे तो शायद वह संभल सकता है लेकिन अगर ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो उसको फाइनेंशियल प्लानिंग के बारे में उसकी काउंसिलिंग करे तो वह व्यक्ति अपनी सारी कमाई इसी तरह खर्च करता रहता है और जब रिटायरमेंट का वक्त नजदीक आता है तब उसे भविष्य की चिंता होती है। ऐसे लोगों को ऐसी कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा जिनसे उनका वित्तीय भविष्य ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। आइए देखते हैं कि वह खास बातें कौन-कौन सी हैं।

नौकरी मिलते ही निवेश शुरू करें

आमतौर पर नौकरी मिलने की उम्र 25 से 30 साल के बीच की होती है। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र में नौकरी पाता है और उसी साल अपनी पहली सैलरी का कुछ हिस्सा निवेश करना शुरू कर देता है तो उसके पास रिटायरमेंट की उम्र यानी 60 की आयु तक निवेश करने का मौका मिलेगा। अर्थात उसे निवेश के लिए करीब 30 साल मिलेंगे। अगर वह व्यक्ति 3000 रुपए हर माह लगातार 30 वर्ष तक निवेश करता है और उसका औसत रिटर्न 12 फीसद रहता है तो रिटायरमेंट के वक्त उसे एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा यानी 1.05 करोड़ रुपए की धनराशि मिल सकती है। अगर यही निवेश 25 साल के लिए करता है तो 12 फीसद औसत रिटर्न के हिसाब से उसे लगभग 57 लाख रुपए मिलेंगे। अब आप सोच रहे होंगे कि 25 साल में जो रकम 57 लाख रुपए बनी वही रकम अगले पांच साल में यानी कुल 30 साल की अवधि में डबल से भी ज्यादा यानी एक करोड़ से ज्यादा कैसे हो गई। तो जनाब इसी को कहते हैं कि कंपाउंडिंग का कमाल। कंपाउंडिंग की ताकत ऐसे ताकत होती है जिसमें निवेश पर रिटर्न काफी तेजी से बढ़ता है। इसलिए आप नौकरी के शुरुआती दिनों में निवेश करना शुरू कर देंगे तो आपका काफी फायदा हो सकता है।

मासिक बजट बनाकर करें खर्च

हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपना मासिक बजट बनाए और इस बजट में अपनी बचत और निवेश को भी जगह दे। इसके लिए आप 50:30:20 का फार्मूला अपना सकते हैं। यानी अपनी आय का या सैलरी का 50 फीसद हिस्सा अपने जीवन यापन पर खर्च करें, 30 फीसद हिस्सा अपने स्टेटस यानी रहन-सहन को बेहतर बनाने पर खर्च करें और 20 फीसद हिस्सा बचत व निवेश योजनाओं में लगाएं। इससे आपको रिटायरमेंट के वक्त मायूस नहीं होना पड़ेगा।

क्रेडिट कार्ड का कम इस्तेमाल

हर व्यक्ति को चाहिए कि वह क्रेडिट कार्ड का कम से कम इस्तेमाल करे। चूंकि क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें काफी ज्यादा होती हैं इसलिए अगर भुगतान में चूक हुई तो आपको काफी नुकसान हो सकता है और आपके कई अन्य खर्च के साथ-साथ बचत व निवेश प्रभावित हो सकते हैं। क्रेडिट कार्ड की जो भी लिमिट रखी गई है। उस लिमिट का सिर्फ 30 से 35 फीसद हिस्सा ही खर्च करें और खर्च करने से पहले यह अवश्य देखें कि जो रकम आपने इस कार्ड से खर्च की है उसकी अदायगी आप निर्धारित अवधि में कर पाएंगे अथवा नहीं। अगर आप रकम की अदायगी तय समय में नहीं कर पा रहे हैं तो क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कतई न करें।

घरेलू बजट बिगड़ने से बचाएं

घर का बजट बिगड़ने से बचाने के लिए हर व्यक्ति को एक आपात फंड बनाने की जरूरत है। अगर कोई व्यक्ति अपने रहन-सहन या स्टेटस मेन्टेन रखने पर कमाई का 30 फीसद हिस्सा खर्च कर रहा है तो वह इसी रकम में से कुछ हिस्सा आपात फंड बनाने पर खर्च कर सकता है। इससे फायदा यह होगा कि अचानक परिवार में किसी की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में जरूरी खर्च या बचत अथवा निवेश की रकम सुरक्षित रहेगी।

कर्ज की अदायगी तुरंत करें

अगर किसी व्यक्ति के ऊपर बैंक का कर्ज है तो सबसे पहला काम उसे यह करना चाहिए कि उसे अपने कर्ज की अदायगी जल्द से जल्द करनी चाहिए। इसकी वजह यह है कि अगर आपके ऊपर कर्ज होता है तो आप चाह कर भी बचत नहीं कर पाते। अगर बचत नहीं होती है तो निवेश का तो सवाल ही नहीं उठता।

बीमा योजना भी अवश्य लें

फाइनेंशियल प्लानिंग करते समय एक ऐसी जीवन बीमा योजना लेनी भी जरूरी है जो आपकी जरूरतों को पूरा करती है। इन योजनाओं में कम से कम एक हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लेनी चाहिए जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा माता-पिता और गैर शादी-शुदा बहन का कवर भी शामिल कराना चाहिए। इसके लिए कम से कम एक हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लेना चाहिए और दूसरा टर्म इंश्योरेंस प्लान भी लेना जरूरी है।

कर छूट सुविधा का करें पूरा इस्तेमाल

आयकर विभाग द्वारा नौकरीपेशा वर्ग को दी जाने वाली कर छूट का इस्तेमाल हर नौकरीपेशा को करना चाहिए। इसमें धारा 80सी, 80डी व अन्य कई धाराओं के तहत निवेश पर कर छूट प्रदान की जाती है। कर छूट सुविधा का इस्तेमाल करेंगे तो आपके वेतन में से टैक्स की कटौती नहीं होगी साथ ही जो निवेश आप कर छूट हासिल करने के लिए कर रहे हैं उससे आप का इनकम टैक्स या टीडीएस भी नहीं कटेगा।

(बिजनेस डेस्क)

चेन्नई और लखनऊ ने भी कटाया प्लेऑफ का टिकट

आईपीएल सीजन-16: कोलकाता नाइट राइडर्स का टूटा सपना, चौथी टीम का फैसला आज

विकेट का जश्न मनाते चेन्नई के खिलाड़ी।

केकेआर के विकेट का जश्न मनाते लखनऊ टीम के खिलाड़ी।

नई दिल्ली। महेन्द्र सिंह धोनी की चतुर नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने शनिवार को अहम मुकाबले में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान दिल्ली को 77 रनो से रौंद कर प्लेऑफ का टिकट हासिल कर लिया। रुतुराज गायकवाड़ (79) और डेवान कॉनवे (87) के बीच 141 रन की साझेदारी की मदद से सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 223 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ चेन्नई 17 अंकों के साथ अंक तालिका में गुजरात के बाद दूसरे स्थान पर काबिज हो चुकी है।

अरूण जेटली स्टेडियम की पिच के मिजाज का सही आकलन करते हुए धोनी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और चेन्नई ने पहले खेलकर 223 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया, जिसके दवाब में दिल्ली की टीम बिखर गई। पृथ्वी शॉ (5),फिल साल्ट (3) और रिले रौसौउ (0) के रूप में पहले तीन झटके दिल्ली को 26 रन के स्कोर पर ही लग चुके थे। कप्तान डेविड वार्नर (86) ने एक छोर पर टिक कर दिलेरी से चेन्नई के गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया, मगर दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ देने को तैयार नहीं दिखा। यश धुल (13) और अक्षर पटेल (15) ने कुछ समय तक उनका साथ दिया मगर यह साथ छूटते ही दिल्ली ताश के महल की तरह भरभरा कर ढह गई। चेन्नई की ओर से दीपक चाहर ने 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि महीश ठीकशाना और मथीसा पथीराना ने दो-दो विकेट अपनी झोली में डाले।

इससे पहले चेन्नई की सलामी जोड़ी ने संतुलित तरीके से बल्लेबाजी करते हुए अच्छी गेंदो का सम्मान किया, जबकि ढीली गेंदों पर जम कर प्रहार किए। झुलसा देने वाली गर्मी के बीच दोनो बल्लेबाजों ने आठ रन प्रति ओवर के आसपास की गति के साथ स्कोरबोर्ड को चलाए रखा।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज कै. रूसो बो. चेतन	79	50	3/7
डेवोन कॉन्वे कै. अमन बो. नोर्त्जे	87	52	11/3
शिवम दुबे कै. ललित बो. खलील	22	09	0/3
एमएस धोनी नाबाद	05	04	0/0
रवींद्र जडेजा नाबाद	20	07	3/1

अतिरिक्त: 10, कुल: 20 ओवर में तीन विकेट पर 223 रन **विकेट पतन:** 1-141, 2-195, 3-195, **गेंदबाजी:** खलील अहमद 4-0-45-1, ललित यादव 2-0-32-0, अक्षर पटेल 3-0-32-0, अनरिख नोर्त्जे 4-0-43-1, चेतन साकरिया 4-0-36-1, कुलदीप यादव 4-0-34-0,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
पृथ्वी शॉ कै. रायडू बो. तुषार	05	07	1/0
वॉर्नर कै. गायकवाड़ बो. पथिराना	86	58	7/5
फिल सॉल्ट कै. रहाणे बो. चाहर	03	06	0/0
राइली रूसो बो. चाहर	00	01	0/0
यश धुल कै. तुषार बो. जडेजा	13	15	1/0
अक्षर कै. गायकवाड़ बो. चाहर	15	08	1/1
अमन कै. मोईन बो. पथिराना	07	09	1/0
ललित यादव कै. मोईन बो. वीक्षणा	06	12	0/0
अनरिख नोर्त्जे नाबाद	00	01	0/0
कुलदीप यादव पगबाधा वीक्षणा	00	01	0/0
चेतन साकरिया नाबाद	00	02	0/0

अतिरिक्त: 11, कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन **विकेट पतन:** 1-5, 2-26, 3-26, 4-75, 5-109, 6- 131, 7-144, 8-146, 9-146 **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 4-0-22-3, तुषार देशपांडे 4-0-26-1, महीश वीक्षणा 4-1-23-2, रवींद्र जडेजा 4-0-50-1, मथीशा पथिराना 4-0-22-2,

कोलकाता। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निकोलस पूरन (30 गेंद, 58 रन) के जुझारू अर्द्धशतक की मदद से आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को एक रन से हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली। लखनऊ ने केकेआर के सामने 177 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जवाब में केकेआर रिंकू सिंह (33 गेंद, 67 रन) के जुझारू प्रयास के बावजूद 175 रन तक ही पहुंच सकी। लखनऊ मात्र 73 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट की स्थिति में थी, लेकिन पूरन ने 30 गेंद पर चार चौकों और पांच छक्कों से सजी 58 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। केकेआर विस्फोटक शुरुआत के बावजूद मध्यक्रम की असफलता के कारण संकट में आ गई। रिंकू सिंह ने एक बार फिर अपनी टीम को जीत की ओर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन आखिरी गेंद पर छक्का जड़ने के बावजूद भी वह एक रन से पीछे रह गए। लखनऊ 14 मैचों में 17 अंकों के साथ गुजरात टाइटन्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई है। रॉयल चैलेंजर्स और मुंबई इंडियन्स प्लेऑफ के चौथे स्थान के लिए रविवार को अपना-अपना दावा पेश करेंगे। केकेआर ने 14 मैचों में छह जीत और आठ हार के साथ अपना आईपीएल अभियान खत्म किया। इस मैच का अंत केकेआर की हार के साथ ही हुआ, लेकिन उससे पहले रिंकू ने अपनी बल्लेबाजी से मैच को रोमांचक बना दिया। उन्होंने 19वें ओवर में तीन चौके और एक छक्का जड़ते हुए कुल 20 रन जोड़े। आखिरी ओवर में हालांकि शुरुआती चार गेंदों पर सिर्फ दो रन आने के कारण केकेआर की जीत लगभग असंभव हो गई। केकेआर जब तीन गेंदों में जीत से 18 रन दूर थी, तब रिंकू ने यश ठाकुर को छक्का जड़ दिया, हालांकि अगली गेंद पर वह सिर्फ चार रन ही बना सके। उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर एक और छक्का लगाया, फिर भी उनकी टीम जीत से दो रन दूर ही रह गई।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
करण शर्मा कै. शार्दुल बो. हर्षित	03	05	0/0
डिकॉक कै. रसल बो. वरुण	28	27	0/2
प्रेरक कै. हर्षित बो. वैभव	26	20	5/0
स्टॉयनिस कै. वेंकटेश बो. वैभव	00	02	0/0
कृणाल पंड्या कै. रिंकू बो. सुनील	09	08	0/1
आयुष बदोनी कै. शार्दुल बो. सुनील	25	21	2/1
पूरन कै. वेंकटेश बो. शार्दुल	58	30	4/5
कृष्णप्पा गौतम नाबाद	11	04	1/1
रवि बिश्नोई बो. शार्दुल	02	02	0/0
नवीन उल हक नाबाद	02	03	0/0

अतिरिक्त: 12, कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 176 रन **विकेट पतन:** 1-14, 2-55, 3-55, 4-71, 5-73, 6-147, 7-159, 8-162 **गेंदबाजी:** हर्षित राणा 3-0-21-1, वैभव अरोड़ा 4-0-30-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-38-1, नितीश राणा 1-0-3-0, शार्दुल ठाकुर 2-0-27-2, सुनील नारायण 4-0-28-2, सुयश शर्मा 1-0-12-0, आंद्रे रसल 1-0-12-0,

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
जेसन रॉय बो. कृणाल	45	28	7/1
वेंकटेश कै. रवि बो. गौतम	24	15	3/1
नितीश राणा कै. कृणाल बो. रवि	08	10	1/0
गुरबाज कै. रवि बो. यश	10	15	0/0
रिंकू सिंह नाबाद	67	33	6/4
आंद्रे रसल बो. रवि	07	09	0/1
शार्दुल ठाकुर कै. मांकड़ बो. यश	03	07	0/0
सुनील नारायण रन आउट	01	02	0/0
वैभव अरोड़ा नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 9, कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन **विकेट पतन:** 1-61, 2-78, 3-82, 4-108, 5-120, 6-134, 7-136 **गेंदबाजी:** मोहसिन खान 1-0-15-0, नवीन उल हक 4-0-46-0, कृणाल पंड्या 4-0-30-1, कृष्णप्पा गौतम 4-0-26-1, रवि बिश्नोई 4-0-23-2, यश ठाकुर 3-0-31-2,

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस 702

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
13	84	58.50	55	36	8	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	जायसवाल	14	625	124	48.08	82	26	5	1
3	डेवोन कॉन्वे	14	585	92*	53.18	69	16	6	0
4	शुभमन गिल	13	576	101	48.00	62	14	4	1
5	विराट कोहली	13	538	100	44.83	52	15	6	1

पर्पल कैप

1 मोहम्मद शमी 23

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
13	23	7.54	11/4	2/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	राशिद खान	13	23	30/4	7.96	1/0
3	यूजी चहल	14	21	17/4	8.17	3/0
4	पीयूष चावला	13	20	22/3	7.66	0/0
5	वरुण चक्रवर्ती	14	20	15/4	8.14	1/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	13	09	04	18	0.835
चेन्नई सुपर किंग्स	14	08	05	17	0.652
लखनऊ सुपर जायंट्स	14	08	05	17	0.284
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	13	07	06	14	0.180
राजस्थान रॉयल्स	14	07	07	14	0.148
मुंबई इंडियंस	13	07	06	14	-0.128
कोलकाता नाइट राइडर्स	14	06	08	12	-0.239
पंजाब किंग्स	14	06	08	12	-0.304
दिल्ली कैपिटल्स	14	05	09	10	-0.808
सनराइजर्स हैदराबाद	13	04	09	08	-0.558

89 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रायन बूथ का निधन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान ब्रायन बूथ का 89 वर्ष की आयु मे निधन हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। मध्य क्रम के बल्लेबाज बूथ ने 1961 और 1966 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 टेस्ट खेलकर 42.21 की औसत से 1,773 रन बनाए। उन्होंने 1965-66 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कमान भी संभाली थी। बूथ से प्रशिक्षण हासिल करने वाले कर्टिस पैटरसन ने कहा, ब्रायन मेरे लिए वास्तव में अच्छे थे। जब से मैं सेंट जॉर्ज में नया आया था तब से। वह एक अद्भुत व्यक्ति थे और वास्तव में मुझे उनसे मदद मिली। बूथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट के अलावा हॉकी में भी हाथ आजमाया और 1956 के मेलबर्न ओलंपिक खेलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। सीए के प्रमुख निक हॉकले ने कहा, ब्रायन को पूरे क्रिकेट समुदाय और उसके बाहर बहुत सम्मान और प्रशंसा मिली।

ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा इंग्लैंड की कंडीशंस का फायदा

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंग्लैंड के ओवल में 7 से 11 जून के बीच खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण के फाइनल मैच में अब 20 दिन से भी कम वक्त बचा है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि इंग्लैंड की कंडीशंस से रोहित शर्मा और उनकी टीम की तुलना में पैट कमिंस एंड कंपनी को थोड़ा फायदा होगा। टेस्ट में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया का कुल जीत प्रतिशत 18.42 है, जो भारत के 14.28 से थोड़ा अधिक है।

गेंदबाज इस सीजन में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे: जाफर

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर का मानना है कि उनकी टीम के गेंदबाज इस आईपीएल सीजन में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। पंजाब ने इस साल कप्तान से लेकर कोच तक टीम प्रबंधन में कई चेहरे बदलकर अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत काफी उम्मीदों के साथ की थी, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह सत्र के 14 मैचों में से सिर्फ छह मैच ही जीती।

इंटर जोनल क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना जलवा दिखाएंगी अरेरा अकादमी की श्रेया और खुशी

भोपाल। बीसीसीआई की नेशनल क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में इंटर जोनल क्रिकेट अकादमीज का एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट राजकोट में 21 से 31 मई तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजधानी की अरेरा क्रिकेट अकादमी की श्रेया दीक्षित और खुशी यादव का चयन किया गया है। पूरे इंडिया में 6 जोनल क्रिकेट अकादमी सेंटर्स बनाए गए और वहां 11 मई तक 150 गर्ल्स का कैंप लगाया गया था। इसके बाद 21 मई से 6 टीमों के लिए 90 गर्ल्स प्लेयर्स को उक्त टूर्नामेंट में खिलाने के बाद इंडिया अंडर-19 गर्ल्स टीम के संभावितों का चयन किया जाएगा। श्रेया दीक्षित और खुशी यादव की इस उपलब्धि पर बीडीसीए एवं अरेरा क्रिकेट अकादमी ने उन्हें बधाई देते हुए अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है।

सक्सेना बने भारतीय ट्रॉयथलॉन संघ के सह सचिव

भोपाल। भारतीय ट्रॉयथलॉन संघ के चुनाव 18 मई को चेन्नई में संपन्न हुए हैं, जिसमें मप्र ट्रॉयथलॉन संघ के सचिव जेपी सक्सेना सह सचिव पद के लिए निर्वाचित हुए हैं। सक्सेना के निर्वाचन पर मप्र ओलंपिक संघ के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही अखिल भारतीय ट्रॉयथलॉन संघ के अन्य पदाधिकारियों में तमिलनाडु ट्रॉयथलॉन एसोसिएशन के टीएस कृष्णस्वामी अध्यक्ष, पुडुचेरी के पी सुब्रमणी उपाध्यक्ष, गोवा की निशा मडगांवकर उपाध्यक्ष, दिल्ली के नितिन गुप्ता जनरल सेकेट्री, केरल के पी मुरलीधरन सह सचिव, तमिलनाडु के सुरेश शर्मा कोषाध्यक्ष चुने गए हैं।

ओजस और ज्योति ने फिर चलाया स्वर्णिम तीर

तीरंदाजी विश्वकप के दूसरे चरण में भी जीता सोना

शंघाई। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारत की मिश्रित टीम जोड़ी ने अपना करिश्माई प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को कोरिया की मजबूत टीम को हराकर तीरंदाजी विश्वकप में लगातार अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। भारत के इस जोड़ी ने अंताल्या में विश्वकप के पहले चरण में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने दूसरे चरण में भी अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 156-155 से पराजित किया।

भारतीय जोड़ी और किम जोंघो और ओह योह्युन की अनुभवी कोरियाई जोड़ी ने पहले तीन चरण में समान 39 अंक बनाए। चौथे और अंतिम चरण में 38 अंक ही बना पाई जबकि भारतीय जोड़ी ने फिर से 39 अंक बनाकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ज्योति अंताल्या में व्यक्तिगत वर्ग का भी स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह से 2023 में विश्वकप में अभी तक वह तीन स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

प्रथमेश ने जीता कम्पाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण

भारतीय तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने व्यक्तिगत पुरुष कंपाउंड का स्वर्ण पदक जीता। वहीं अवनीत कौर ने व्यक्तिगत महिला कंपाउंड में भारत के लिए कांस्य पदक जीता।

महिला हॉकी टीम की लगातार दूसरी हार

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में शनिवार को भारतीय महिला हॉकी टीम को 3-2 से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले मैच की तुलना इस मैच में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन जीत दर्ज करने में नाकाम रही। भारत के लिए संगीता कुमारी (13वें) और गुरजीत कौर (17वें) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया के लिए टाटम स्टीवर्ट (12वें और 45वें मिनट) ने दो गोल किये जबकि पिप्पा मोर्गन (38वें) ने भी एक गोल किया। विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर पर काबिज ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला के पहले मैच को गुरुवार को 4-2 से जीता था। श्रृंखला का तीसरा मैच रविवार को खेला जाएगा। टीम ने शुरुआती दो क्वॉर्टर में आक्रामक खेल का सहारा लिया जिससे उसे गोल करने का मौका मिला। भारत को आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर मिला।

पारुल ने जीती स्टीपलचेज स्पर्धा

न्यूयॉर्क। भारतीय धाविका पारुल चौधरी ने विश्व एथलेटिक्स ब्रॉन्ज ट्रैक नाइट में महिलाओं की तीन हजार मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा जीत ली। पारुल ने प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा लेते हुए नौ मिनट 41.88 सेकेंड में दौड़ पूरी की। वह हालांकि जुलाई 2022 में लॉस एंजिल्स में बनाया गया 8:57.19 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकीं। उल्लेखनीय है कि ओलंपिक में स्टीपलचेज की 3000 मीटर की श्रेणी नहीं है। पारुल ने 5000 मीटर में कैलिफोर्निया में साल की अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग लिया था। वहां उन्होंने 15 मिनट 10.35 सेकेंड में दौड़ पूरी की थी। इस बीच, महिलाओं की 1500 मीटर में पारुल की हमवतन लिली दास चार मिनट 15.23 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

इटालियन ओपन रूस की वेरोनिका को हरा फाइनल में पहुंचीं युद्धग्रस्त यूक्रेन की कलिनीना, जीत के बाद नहीं मिलाया हाथ

टेनिस कोर्ट पर भी रूस और यूक्रेनी खिलाड़ी के बीच चली जोरदार जंग

रोम। युद्धग्रस्त यूक्रेन की एन्हेलिना कलिनीना ने रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को मात देकर इटालियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। कलिनीना ने सेमीफाइनल में कुदेरमेतोवा को 7-5, 5-7, 6-2 से मात दी।

पिछले साल यूक्रेन पर रूस के आक्रमण में कलिनीना का घर नष्ट हो गया था। उनके परिजनों को नोवा ककोफका शहर छोड़कर यूक्रेन की राजधानी कीफ में बसना पड़ा था। कलिनीना ने अपने करियर में पहली बार किसी डबल्यूटीए 1000 इवेंट के फाइनल में जगह बनाई है। करीब तीन घंटे चले मैच के बाद उन्होंने कुदरमेतोवा से हाथ नहीं मिलाया। कलिनीना फाइनल में विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना से होगा, जिन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन विजेता हेलेना ओस्तापेंका को सेमीफाइनल में 6-2, 6-4 से हराया था।

कलिनीना बोलीं-मैं देश के लिए छोटी-सी रोशनी देना चाहती हूं

कलिनीना ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के बाद कहा, यूक्रेन जिस दौर से गुजर रहा है, उसके कारण हर मैच जीतना वास्तव में महत्वपूर्ण है। मैं आशा करती हूं कि मैं अपने देश के लिए छोटी सी रोशनी, या कुछ सकारात्मक भावनाएं दूं। मैं वास्तव में उम्मीद करती हूं कि यूक्रेन को यह जीत थोड़ी पसंद आएगी। कुदरमेतोवा ने मैच के बाद कहा, हम यहां हैं, और हम यहां जो करते हैं उससे प्यार करते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस देश से हैं। हम एथलीट हैं, और कुछ नहीं। हम यहां टेनिस खेलने आए हैं। कलिनीना का जन्म नोवा कखोवका में हुआ था, हालांकि युद्ध के बाद इस शहर से उनके सभी संबंध समाप्त हो गए हैं। कलिनीना ने कहा, नोवा कखोवका के साथ अब मेरा कोई संबंध नहीं है क्योंकि हर कोई कीफ में है। (मेरे दादा दादी) बहुत बूढ़े लोग हैं। वे वहां 60-65 साल से रह रहे थे। हमने एक तरह से उन पर बहुत दबाव डाला और कहा कि उन्हें जाना ही होगा।

बिहार के इन खूबसूरत हिल स्टेशन को देखते ही छोड़ देंगे सारे ऑप्शन, एक बार आए तो बार-बार करेगा आने का मन

जब भी कहीं घूमने जाने का मन करता है या फिर किसी ट्रिप पर जाना होता है, तो पहाड़ों की सैर करना लोगों की पहली पसंद में आता है। पहाड़ों की सैर करना लोगों को काफी पसंद आता है। वैसे भी प्रकृति ही एक ऐसा स्थान है, जहां पर लोगों को चैन और सुकून मिलता है। हमारे आसपास कई ऐसे राज्य हैं, जहां आप जा सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बिहार के कई खूबसूरत हिल स्टेशंस के बारे में बताएंगे। बिहार में बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन होने के साथ ही सुकून देने वाली वादियां भी हैं। बिहार को प्राचीन काल में सत्ता, विद्या और संस्कृति की धुरी माना जाता था।

रामशिला पहाड़ी- रामशिला पहाड़ी बिहार के टॉप हिल स्टेशनों में से एक है। यह गया के विष्णुपद मंदिरों से मात्र 5 किमी. की दूरी पर स्थित है। ट्रेकिंग के बाद यहां पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। आसपास के लोग यहां पर हर वीकेंड को मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। रामायण काल में भी इस स्थान का जिक्र देखने को मिलता है। मान्यता है कि यहां पर भगवान राम ने इसी जगह पर अपने पिता दशरथ का पिंड किया था। जिस कारण यहां पर कई श्रद्धालू पिंडदान भी करने आते हैं। अक्टूबर से फरवरी के बीच का समय रामशिला पहाड़ी घूमने के लिए बेस्ट है।

गुरपा चोटी- गया के गुरपा नाम गांव के पास बसे गुरपा चोटी को स्थानीय लोग कुक्कुटपदगिरि के नाम से पुकारते हैं। गुरपा चोटी को एक पवित्र पर्वत शिखर माना जाता है। सुकून पाने के लिए यह जगह बेस्ट है। गुरपा चोटी खूबसूरत हिंदू मंदिरों और बौद्ध अवशेषों से घिरा हुआ है। साथ ही इस स्थान का अपना ऐतिहासिक महत्व है। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध के उत्तराधिकारी महा कश्यप ने इस पहाड़ी पर अपना ध्यान लगाया था। साथ ही मान्यता है कि अभी भी महा कश्यप बुद्ध के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रागबोधि- प्रागबोधी बिहार का एक पवित्र स्थान है। जिसे धुंगेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। बिहार में किरियामा गांव के पास स्थित प्रागबोधी सबसे ज्यादा देखे जाने वाला स्थान है। बताया जाता है कि यहां पर ज्ञान प्राप्त करने से पहले भगवान बुद्ध यहां पर रुके थे। यहां पर आप पहाड़ी के ऊपर कई प्राचीन स्तूपों को भी देख सकते हैं। गया शहर से देखने पर प्रागबोधी बेहद ही खूबसूरत लगता है। इसके अलावा ज्ञान की खोज में राजकुमार सिद्धार्थ ने यहां पर 6 वर्षों तक घोर तपस्या की थी। तब उन्होंने खाना-पानी भी छोड़ दिया था।

प्रेतशिला पहाड़ी- प्रेतशिला पहाड़ी रामशिला पहाड़ी से 10 किलोमीटर की दूर स्थित है। यहां से आप गया शहर का नजारा देखने के साथ ही सुंदर ब्रह्म कुंड भी देख सकते हैं। बता दें कि प्रेतशिला की चोटी पर एक चट्टान है। मान्यता है कि प्रेतशिला वेदी पर अकाल मृत्यु के कारण प्रेतयोनि में भटकते प्राणियों का श्राद्ध करने से उनको मुक्ति मिल जाती है। यहां पर अहिल्या बाई का एक ऐतिहासिक मंदिर है। यह मंदिर शानदार स्थापत्य शैली का अद्भुत नजारा पेश करता है। प्रेतशिला पहाड़ी से आप गया शहर और हरे भरे घास के मैदान का अद्भुत नजारा देख सकते हैं।

ब्रह्मजुनी हिल- बिहार के गया जिले में स्थित ब्रह्मजुनी हिल ऐतिहासिक मंदिरों से घिरी पहाड़ी जगह है। ब्रह्मजुनी हिल से आप हरे-भरे घास के मैदानों और विष्णुपद मंदिर के खूबसूरत नजारे देख सकते हैं। यह पहाड़ी विष्णुपद मंदिर से 1 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। ब्रह्मजुनी पहाड़ियों पर ऐतिहासिक गुफाओं को देखकर आपका दिन बन जाएगा। पत्थर की दीवारों पर उकेरी गई आकर्षक नक्काशियां पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां पर बुद्ध ने 1000 पुजारियों को अपने अग्नि उपदेश दिए थे।

188 दिन में 17,000 मील की यात्रा, देश के छह जांबाजों को लेकर लौट रहा समुद्री सम्राट आईएनएस तारिणी

आईएनएसवी तारिणी का नेतृत्व कैप्टन अतुल सिन्हा कर रहे हैं। टीम में लेफ्टिनेंट कमांडर आशुतोष शर्मा, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के., लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए. और एसएलटी अविरल केशव शामिल हैं। नौसेना की इस ड्रिल का मकसद वेसल पर चालक दल को नेविगेशन, संचार, तकनीक, योजना और सीमैनशिप स्किल की ट्रेनिंग देना है। मौजूदा अभियान दो महिला अधिकारियों के प्रशिक्षण में मील का पत्थर है।

24 को अंतरमहाद्वीपीय अभियान होगा पूरा

अरब सागर, आईएनएस तारिणी भारतीय नौसेना की दूसरी सेलबोट है। इस पोत को 18 फरवरी, 2017 को नौसेना को सौंप दिया गया था और इसका नामकरण तारा तारिणी मंदिर के नाम पर किया गया।

आईएनएस तारिणी ने तय की 17 हजार समुद्री मील की दूरी

भारतीय नौसेना के नौकायन पोत तारिणी के 24 मई को गोवा पहुंचने के बाद 17,000 समुद्री मील (एनएम) के मार्ग को कवर करते हुए छह महीने लंबा पार-महासागरीय (ट्रांसओशनिक) सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद स्वदेश लौट रहा है।

यात्रा पर हैं ये छह जांबाज

आईएनएसवी तारिणी के चालक दल के 6 सदस्यों की यात्रा के दौरान की तस्वीर।

17 नवंबर को शुरू हुई थी दौड़

ट्रांस अटलांटिक महासागर की ये दौड़ पिछले साल 17 नवंबर को गोवा से शुरू हुई थी।

24 मई को पूरा होगा सफर

ये दौड़ अपने निर्धारित समय पर 24 मई को गोवा में ही पूरी होगी।

सिद्धारमैया ने सीएम, डीके शिवकुमार ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

सीएम बनते पहली कैबिनेट बैठक में 5 'गारंटियों' को लागू करने का आदेश

राज्यपाल थावरचंद गेहलोत ने दिलाई शपथ

बेंगलुरु, (एजेंसी)। सिद्धारमैया शनिवार को यहां कर्नाटक के मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री पद की सोमवार को शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने श्री कांतीरवा स्टेडियम में एक मेगा शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सिद्धारमैया (75) का 2013 के अपने पहले पांच साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री के रूप में यह दूसरा कार्यकाल है, जबकि शिवकुमार(61) ने पहले सिद्धारमैया के अधीन मंत्री के रूप में काम किया था। शिवकुमार 2024 के लोकसभा चुनाव तक कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष भी बने रहेंगे।

सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ आठ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इन मंत्रियों के नाम हैं, जी परमेश्वर (एससी), केएच मुनियप्पा (एससी), केजे जॉर्ज (अल्पसंख्यक-ईसाई), एमबी पाटिल (लिंगायत), सतीश जारकीहोली (एसटी-वाल्मीकि), प्रियांक खड़गे (एससी), रामलिंगा रेड्डी (रेड्डी), और बीजेड जमीर अहमद खान (अल्पसंख्यक-मुस्लिम)।मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद श्री सिद्धारमैया के सामने सबसे पहला चुनौतीपूर्ण काम सभी समुदायों, क्षेत्रों, गुटों और विधायकों की पुरानी और नई पीढ़ी के प्रतिनिधियों को लेकर मंत्रिमंडल का गठन करना है। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने शिरकत की। समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे भी शामिल हुए। इसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शामिल हुए। उनके अलावा, नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के डी. राजा,

कर्नाटक विधानसभा का सत्र 22 से शुरू

कर्नाटक में सीएम पद की शपथ लेते ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक्शन मोड में आ गए हैं। उन्होंने शपथ लेने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में उन पांच गारंटियों (वादों) को लागू करने के आदेश जारी किए हैं, जिनका चुनाव से पहले पार्टी ने वादा किया था। इन पांच गारंटियों में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि, उचित प्रयाण शामिल हैं। पहली कैबिनेट बैठक के बाद सीएम सिद्धारमैया ने यह जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि कर्नाटक विधानसभा का सत्र अगले सप्ताह सोमवार, मंगलवार और बुधवार को होना है। जिसमें विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। यहां विधान सौध में पहली कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि घोषणापत्र में पांच गारंटी का वादा किया था।

एक मंच पर आए खड़गे, राहुल, पवार और नीतीश

कर्नाटक में सिद्धारमैया और उनकी सरकार के मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के कई प्रमुख नेता नजर आए और यहां से विपक्षी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। सिद्धरमैया के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने भी शपथ ली, जो राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं।

राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की जीत के लिए प्रदेश की जनता का धन्यवाद करते हुए शनिवार को कहा कि दक्षिण भारत के इस राज्य ने 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की लाखों दुकानें खोल दी हैं।' उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और आठ मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद जनता से साफ-सुथरी और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन देने का वादा किया।

18 विपक्षी दलों के नेता रहे मौजूद, ममता, माया व अखिलेश नहीं पहुंचे

नई दिल्ली/ बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस नेता सिद्धरमैया तथा डी के शिवकुमार के नेतृत्व में गठित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शनिवार को 18 विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए।

राज्यपाल थावरचंद गहलौत ने श्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद की तथा डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही आठ विधायकों ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के 18 दलों के कई नेता शामिल हुए। विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं में प.बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव, सपा नेता अखिलेश, बसपा नेता मायावती शामिल नहीं हुए।

समारोह में शामिल प्रमुख नेताओं में जनता दल यू के नेता तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद नेता तथा बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड मुक्ति के नेता तथा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्लाह तथा पार्टी के दो अन्य नेता, आईयूएमएल के सांसद अब्दुल समद समदानी तथा दो अन्य, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और राकांपा नेता शरद पवार तथा पार्टी के तीन अन्य नेता, भाकपा के डी राजा, माकपा (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टीके एन के प्रेमचंद्रन, वीसीके के डॉ टी थिरुमवलवम, राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती तथा एक अन्य, तृणमूल कांग्रेस की कोकिला घोष दस्तीदार, अभिनेता कमल हसन, माकपा नेता सीताराम येचुरी शिव सेना से प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई मौजूद रहे।

बॉर्डर पर बीएसएफ है, इसलिए मैं चैन से सो पाता हूं: शाह

अहमदाबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को दो दिवसीय दौरे के लिए गुजरात पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। गृहमंत्री शाह ने यहां स्कूली बच्चों को टॉफियां और खिलौने बांटे। वहीं उन्होंने कोस्टल पुलिस के स्थाई परिसर का भूमिपूजन भी किया। यहां उन्होंने बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि बॉर्डर पर बीएसएफ तैनात है, इसलिए मैं दिल्ली में चैन से सो पाता हूं।

शनिवार को गृह मंत्री शाह ने गुजरात के देवभूमि द्वारका में नेशनल एकेडमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग के स्थाई परिसर का भूमिपूजन किया। परिसर की लागत 470 करोड़ है। शाह ने कहा कि भारत के बॉर्डर पर बीएसएफ के जवान तैनात हैं, इस वजह से मैं दिल्ली में चैन से सो पाता हूं। भारतीय नौसेना और एनसीबी ने खुफिया विभाग की मदद से केरल के तट से एक साथ 12 हजार करोड़ के ड्रग्स का खेप पकड़ा है। वहीं, यूपीए शासनकाल के 10 सालों में सिर्फ 680 करोड़ का ड्रग्स पकड़ा था। इससे पता चलता है कि हमारी सरकार में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। पहले तटरक्षक, सीमा सुरक्षा बल और कोस्टल पुलिस के जवानों के ट्रेनिंग के लिए कोई स्पेशल प्रोग्राम था। लेकिन 2008 में हुए मुंबई हमले के बाद इसकी कमी महसूस की गई कि देश की तटीय इलाकों की सुरक्षा के लिए एक स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम होना चाहिए।

100 फीट गहरे बोरवेल में गिरे बच्चे को सुरक्षित निकाला

जयपुर, (एजेंसी)। बोरवेल में गिरे नौ साल के अक्षित को आखिर बोरवेल से बाहर निकाल ही लिया गया है। छह घंटे के लगातार प्रयास के बाद आखिर जिंदगी जीत गई। बच्चे को बचाने के लिए एसडीआरएफ, पुलिस, प्रशासन, ग्रामीण और बच्चे के परिवार के लोगों ने जान की बाजी लगा दी थी। सभी के प्रयासों के बाद आखिर बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया गया। उसे फिलहाल अस्पताल ले जाया गया है। घुटन और अंधेरे में रहने के कारण वह बीमार हो गया है। मामला जयपुर जिले के ग्रामीण इलाके में स्थित जोबनेर क्षेत्र का है। दरअसल नौ साल के अक्षित नाम का बालक अपने नाना के घर पलसानिया की ढाणी में आया हुआ था।

तीन पाक एजेंटों को सात-सात साल की सजा

जयपुर, (एजेंसी)। सीमावर्ती जिले जैसलमेर से देश की सामरिक महत्व की गोपनीय सूचना एकत्र कर आईएसआई को भेजने वाले तीन पाक एजेंटों को सात-सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। आरोपी जैसलमैर के सम थाना इलाके के चगाणियों की बस्ती निवासी सद्दीक खान पुत्र लतीफ खान, जैसलमेर के रामगढ़ इलाके के किशनगढ़ का निवासी बरियाम खान पुत्र मोरू खान और हाजी खान पुत्र रोजे खान है।

आज का इतिहास

- **1502:** पुर्तगाल के जोआओ दा नोवा ने दक्षिण अटलांटिक महासागर में सेंट हेलेना द्वीप की खोज की।
- **1819:** न्यूयॉर्क की सड़कों पर पहली बार साइकिल देखी गई जिसे स्विफ्ट वॉकर कहा जाता था।
- **1840:** न्यूजीलैंड को ब्रिटेन का उपनिवेश घोषित किया गया।
- **1851:** दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में गुलामी प्रथा समाप्त हुई।
- **1881:** अमेरिकी रेड क्रॉस संस्था की स्थापना।
- **1904:** पेरिस में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा की स्थापना।
- **1918:** अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने महिलाओं को मतदान की अनुमति दी।
- **1927:** अमेरिका के एक पायलट चार्ल्स लिंडनबर्ग ने एक छोटे से विमान से न्यूयॉर्क से पेरिस के बीच बिना रुके पहली अटलांटिक पार उड़ान भरी।

Filmiतड़का

कान फिल्म फेस्टिवल से बेटी के साथ लौटीं ऐश्वर्या

मुंबई। ऐश्वर्या राय बच्चन हाल ही में कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं थीं, जिसमें उनके लुक की चर्चा सोशल मीडिया पर जोरों पर है, लेकिन सोशल मीडिया पर भारत लौटने के बाद एक्ट्रेस की बेटी आराध्या बच्चन सुर्खियों में हैं। इतना ही नहीं स्टारकिड की फैंस जमकर तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं, जिसका कारण एयरपोर्ट पर उनका मां के साथ हाथ जोड़कर स्पॉट होना है। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर फैंस जमकर कमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं। पैपराजी द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में ऐश्वर्या राय बच्चन और उनकी बेटी आराध्या एयरपोर्ट से निकल कर कार में बैठते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, एयरपोर्ट से निकलते वक्त आराध्या चेहरे पर स्माइल के साथ सभी को नमस्ते कहते हुए दिखाई दे रही हैं। इस दौरान वे ब्लैक स्वेट शर्ट और ब्लू जींस में हैं, जबकि ऐश्वर्या राय फ्लोरल टॉप और ब्लैक पैंट में दिख रही हैं। ऐश्वर्या और आराध्या की वीडियो देखने के बाद फैंस भी तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, संस्कार उम्र से बड़े हैं।

12 करोड़ की फिल्म ने 11 दिन में कमा डाले 100 करोड़

नई दिल्ली। बॉलीवुड में 50 करोड़ से लेकर 100-150 करोड़ रुपयों तक के बजट की फिल्में बन रही हैं। सलमान खान से लेकर अजय देवगन और कार्तिक आर्यन जैसे सितारे उनमें नजर आ रहे हैं। ये सितारे साउथ की सुपरहिट फिल्मों के रीमेक के जरिये अपनी नैया पार लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन 2023 में इन तीनों के लिए गुड न्यूज नहीं आई और किसी का भाई किसी की जान, भोला और शहजादा बॉक्स ऑफिस पर पस्त हो गईं, लेकिन इसी बीच साउथ इंडियन फिल्म इंटस्ट्री कम बजट, मजबूत कहानियों और शानदार एक्टिंग के जरिये बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच रही है. फिर चाहे वह दसरा हो या फिर विरुपक्ष या अब 2018। केरल की 2018 की बाढ़ पर बनी 2018 मूवी ने तो कमाई का नया रिकॉर्ड ही रच डाला है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म ने मलयालम सिनेमा में इतिहास रच डाला है। मलयालम फिल्म 2018 को देखने के लिए पहले सिनेमाघरों पर भीड़ उमड़ी, जिसके चलते थिएटरों पर हाउसफुल के बोर्ड लग गए। केरल की रियल स्टोरी को देखने के लिए दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया और अब इस फिल्म ने मलयालम सिनेमा के इतिहास में ऐसा रिकॉर्ड बना डाला है, जो पहले मोहन लाल की लुसिफर के नाम था। फिल्म ने 11 दिन में 100 करोड़ कमा लिए हैं, जबकि लुसिफर ने 12 दिन में 100 करोड़ कमाए थे। मूवी 2018 में टोविनो थॉमस, कुंचाको बोबन, आसिफ अली, विनीत श्रीनिवासन, अपर्णा बालमुरली और तन्वी लीड रोल में हैं। फिल्म की प्रोडक्शन टीम की जमकर तारीफ हो रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इस फिल्म को हिंदी में भी लाया जा सकता है।

रूस का बड़ा फैसला : ओबामा समेत 500 अमेरिकियों की रूस में एंट्री बैन

अमेरिका के कदम का दिया जवाब

मास्को, (एजेंसी)। रूस-यूक्रे युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और रूस के संबंधों में काफी खटास आ गई है। इसकी वजह है अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को लगातार दी जाने वाली मदद। एक साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में अमरीका शुरू से यूक्रेन का सबसे बड़ा मददगार रहा है और लगातार यूक्रेन की मदद कर रहा है। अमरीकी मदद से यूक्रेनी आर्मी अभी भी रुसी आर्मी के सामने डटी हुई है। हाल ही में रूस ने अमरीका के खिलाफ एक बड़ा फैसला लिया है।

हाल ही में रूस ने अमरीका के खिलाफ बड़ा फैसला लेते हुए 500 अमरीकियों पर बैन लगा दिया है। रूस के इस फैसले के बाद ये 500 अमेरिकी रूस में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इनमें अमेरिका के पूर्व दो बार के राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हैं।

रूस द्वारा बराक ओबामा समेत 500 अमेरिकियों पर प्रतिबंध लगाने की वजह अमरीका का ऐसा कदम है जिससे अब तक रूस को काफी नुकसान हुआ है। जब से रूस और यूक्रेन में युद्ध शुरू हुआ है, तब से अब तक अमेरिका कई बार रूस और रूस के प्रभावी लोगों के खिलाफ कई प्रतिबंध लगा चुका है। हाल ही में अमेरिका ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका के रूस पर प्रतिबंध लगाने के कदम को देखते हुए दूसरे कई देशों ने भी रूस के खिलाफ कई प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों से रूस को आर्थिक रूप से काफी नुकसान झेलना पड़ा है।

सीबीआई कार्यालय के समक्ष वानखेड़े हुए पेश

मुंबई, (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े शनिवार को बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा जारी निर्देश के जवाब में मुंबई में सीबीआई कार्यालय में पेश हुए। अक्टूबर 2021 कोर्डेलिया क्रूज ड्रग बस्ट से संबंधित 25 करोड़ के जबरन वसूली का केस दर्ज किया था, जिसमें अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन को गिरफ्तार किया था। आईआरएस अधिकारी को अभी गिरफ्तार किए जाने की संभावना नहीं है, क्योंकि सीबीआई ने शुक्रवार को बंबई हाईकोर्ट की पीठ को आश्वासन दिया कि एजेंसी वानखेड़े के खिलाफ 22 मई तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं करेगी।

बीएसएफ ने तीन पाक ड्रोन मार गिराए

जालंधर, (एजेंसी)। बीएसएफ ने तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करते हुए पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शुक्रवार रात एक साथ तीन पाक ड्रोनों को मार गिराया। बीएसएफ पीआरओ ने बताया कि शुक्रवार रात नौ बजे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गाँव उधर धारीवाल के पास के क्षेत्र में एक संदिग्ध ड्रोन की भनभनाहट सुनाई दी। सैनिकों ने गोलीबारी करके ड्रोन को तुरंत मार गिराया। डोंस ने 3 किलो ड्रग्स मिली।

आतंकवाद से जुड़े दो मामलों में जम्मू-कश्मीर में 15 स्थानों पर एनआईए ने डाले छापे

श्रीनगर, (एजेंसी)। एनआईए ने आतंकवाद से जुड़े दो मामलों में शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में 15 विभिन्न स्थानों पर छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि एनआईए अफसरों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से केंद्र शासित प्रदेश के सात जिलों में तलाशी ली। श्रीनगर, पुलवामा, अवंतीपोरा, अनंतनाग, शोपियां व कुपवाड़ा जिलों में तलाशी चल रही है। पुंछ जिले में शनिवार सुबह से ही छापे मारे जा रहे हैं। ये छापे दो केस में मारे गए, जिनमें से एक 2021 में एनआईए के दिल्ली पुलिस स्टेशन में पंजीकृत है।

डोडा में पांच आतंकियों के घर छापेमारी

डोडा/जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की एसआईयू ने शनिवार को पांच स्थानीय आतंकियों के घरों पर छापेमारी की, जो वर्तमान में सीमा पार से अतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं डोडा जिले में आतंकवाद को फिर से खड़ा करनेका प्रयास कर रहे हैं। डोडा जिले के एसएसपी अब्दुल कयूम ने कहा कि आईपीसी और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की कई धाराओं में 2021 में पांच आतंकियों के खिलाफ दर्ज एक केस के संबंध में गंडोह क्षेत्र में एसआईयू ने छापेमारी की।

दो लाख रुपए रिश्वत लेते सलाहकार गिरफ्तार किया

राजकोट, (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में सीबीआई ने शिकायतकर्ता से दो लाख रु. की रिश्वत मांगने एवं स्वीकार करने पर एक सलाहकार (निजी व्यक्ति) को गिरफ्तार किया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सूचना अनुभाग) के अनुसार सीबीआई ने एक शिकायत के आधार पर एक सलाहकार एवं क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, राजकोट के विरुद्ध मामला दर्ज किया। ऐसा आरोप है कि सलाहकार ने शिकायतकर्ता फर्म पर लगाए गए झूठे ईपीएफओ बकाया के निपटान हेतु क्षेत्रीय पीएफ आयुक्त, ईपीएफओ, राजकोट एवं अन्य अज्ञात लोक सेवक (सेवकों) की ओर से शुरू में 20 लाख रु. की रिश्वत की मांग की थी। उक्त सलाहकार रिश्वत की राशि को घटाकर 11 लाख रु. करने पर सहमत हो गया। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया एवं सलाहकार को शिकायतकर्ता से 2,00,000/- रु. की रिश्वत की मांग करने एवं स्वीकार करने के दौरान रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के राजकोट स्थित परिसरों में तलाशी ली गई। गिरफ्तार आरोपी को सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

आरोपी रंगे हाथों पकड़ा, हिरासत में भेजा

दिल्ली के मैदानगढ़ी में मेट्रो साइट पर बड़ा हादसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के मैदान गढ़ी इलाके में मेट्रो निर्माण स्थल के पास शनिवार सुबह सड़क का एक हिस्सा धंस गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि मेट्रो के लिए सड़क की गहरी खुदाई का काम चल रहा है और उसी दौरान सड़क का एक हिस्सा धंस गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। दिल्ली मेट्रो ने कहा कि यह हादसा उसके एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर निर्माण स्थल पर हुआ।

कुष्ठ से ठीक होने के बाद दूसरों के बने मददगार

कुष्ठ चैंपियन बन अभिमन्यु अन्य रोगियों को दिखा रहे इलाज की राह

प्रखर कुशीनगर। कुष्ठ से ठीक होने के बाद अभिमन्यु (22) दूसरे कुष्ठ रोगियों के मददगार बन गए हैं। अब वह कुष्ठ चैंपियन बन कर कुष्ठ रोगियों को इलाज की राह दिखाने से लेकर पेंशन भी दिलाने में सहयोग करते हैं। अब तक उनके द्वारा करीब एक दर्जन कुष्ठ रोगियों को इलाज कराने में सहयोग प्रदान किया गया है। अभिमन्यु बताते हैं कि वर्ष 2006 में उनके बायें हाथ में गोल गोल धब्बा बनने लगा। परिवार के लोग दाद की दवा करा रहे थे। उनके नाना गोरखपुर में रहते थे, जहां उन्होंने एक निजी चिकित्सक से दवा कराया। करीब चार साल तक दवा चली, लेकिन फायदा नहीं हो रहा था, धीरे-धीरे अंगुलियां भी टेढ़ी होने लगी। फायदा न होने की वजह से वर्ष 2009 में दवा बंद कर दी गयी।

वर्ष 2017 में कुष्ठ रोग विभाग के नान मेडिकल सुपरवाइजर रमेश प्रसाद त्रिपाठी जी ने धब्बा देखकर सरकारी अस्पताल से दवा कराने की सलाह दी, लेकिन उनकी बातों पर यह सोचकर ध्यान नहीं दिया कि जब गोरखपुर में दवा करा कर नहीं ठीक हुए तो सरकारी अस्पताल से कितना लाभ होगा?

एनएमएस के बार-बार कहने पर इलाज कराने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुकरौली गया। वहां वर्ष 2018 में दवा शुरू हुई तो छह माह दवा खाने के बाद ठीक हो गए। रमेश प्रसाद त्रिपाठी ने उनकी दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनवा दिया, जिससे तीन हजार रुपये प्रति माह पेंशन भी मिलने लगा है।

अभिमन्यु ने बताया कि इसके बाद उन्होंने खुद भी कुष्ठ रोगियों के मदद की ठानी। उनका कहना है कि वह संभावित कुष्ठ रोगियों का इस लिए मददगार बने हैं कि जिन दिक्कतों का सामना उन्होंने किया वैसी दिक्कत अन्य किसी के सामने न आए। यही सोच कर कुष्ठ रोग के संभावित मरीजों को सरकारी अस्पताल से इलाज की राह दिखाते हैं और दिव्यांग कुष्ठ रोगियों को पेंशन दिलाने में मदद करते हैं।

एनएमएस रमेश प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि अभिमन्यु वर्तमान में चाट बेचते हैं। एनएमएस रास्ते से गुजर रहे थे तो देखा कि अभिमन्यु के हाथ की अंगूली में थोड़ी से दिक्कत है। यह देखकर रूके और सरकारी अस्पताल पर इलाज कराने की सलाह दी।

बात मानकर अभिमन्यु ने इलाज शुरू कराया। अप्रैल 2018 से सितम्बर 2018 तक उनकी दवा चली। अब वह ठीक हो चुके है। इन दिनों अभिमन्यु कुष्ठ चैंपियन बन कर कुष्ठ रोगियों की इलाज से लेकर पेंशन दिलाने में मदद करते हैं।

सुकरौली क्षेत्र के सुभाष (65) ने बताया की उनके शरीर पर कुष्ठ के लक्षण देखकर अभिमन्यु ने सरकारी अस्पताल पर जांच और इलाज की सलाह दी। उनकी बात मानकर साल भर पहले इलाज शुरू कराया। छह माह दवा चली। अब वह ठीक हैं । कुष्ठ दिव्यांगता का प्रमाण पत्र बनवा कर पेंशन भी दिलाने में मदद की है।

जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ.विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि कुष्ठ रोग एक दीर्घ कालीन (पुराना) संक्रामक रोग है। इसमें त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। रोग की शुरूआत बहुत ही धीमी गति से होती है। कुष्ठ रोग बैक्टीरिया (माइक्रोबैक्टिरियम लेप्रे) के कारण होता है।

उन्होंने कहा कि अभी भी समाज में कुष्ठ रोग के प्रति गलत धारणाएं व्याप्त है, जिससे मरीज इस रोग को छुपाते हैं। सिर्फ किसी को छूने या हाथ मिलाने से कुष्ठ का प्रसार नहीं होता है।

कुष्ठ रोग के लक्षण

-चमड़ी बदरंग और चमड़ी में मोटापन हो।

-चमड़ी का दाग जिसमें सुन्नापन हो।

-दाग चकत्ता जिसमें पसीना न आता हो।

-हाथ पैर की नसों में मोटापन, सूजन तथा झनझनाहट हो।

-हाथ पैर की अंगूली में टेढ़ापन हो।

-हाथ तथा पैर के तलवों में सुन्नपन हो।

-घाव जो इलाज के बाद ठीक न होता हो।

वर्षवार कुष्ठ रोगियों की संख्या

वर्ष----------कुष्ठ रोगी
2020-21------222
2021-22-----202
2022-23-----231।

गुरू अर्जुन देव जी महाराज पांचवें गुरु की शहीदी पर्व के पूर्व फल वितरण किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। पंजाबी महासभा के तत्वावधान में आज सांयकाल गंगा जी के किनारे प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पर फल वितरित किया गया।गुरू अर्जुन देव जी महाराज पांचवें गुरु की शहीदी पर्व के पूर्व फल वितरण कर उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पंजाबी महासभा के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह ने लोगो को गुरु के संदेश को पहुंचाने का कार्य किया।फल वितरण में अनेकों लोगों ने प्रसाद प्राप्त किया। मुख्य रूप से उपस्थित परमजीत सिंह, हैप्पी सिंह,पूर्व सभासद संतोष शर्मा, अयोध्या निषाद धनंजय साहनी अमित पटेल मुरारी मांझी शुभम् सिंह, गोविन्द यादव आदि ने सहयोग किया।

महाविद्यालय के बच्चों को एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने भेंट किया टेबलेट

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज वशिष्ठ महाविद्यालय बघरी जमानिया में टेबलेट वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी विशाल सिंह चंचल शामिल हुवे। वशिष्ठ महाविद्यालय के 202 बच्चों को एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने टेबलेट दिया, तत्पश्चात महिला महाविद्यालय में 34 बच्चों को टेबलेट वितरित किया गया। एमएलसी के हाँथो टेबलेट पा कर सभी के चेहरे खिल उठे। एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज महाराज जी की सरकार में बच्चों को टेबलेट और लैपटॉप वितरित किया जा रहा है, जिससे उनके भविष्य को नई दिशा मिल सके। इसका इस्तेमाल आप सही दिशा में करिये, आज के समय में कोई ये आरोप नहीं लगा सकता कि पैसे से नौकरी मिल रही है। जिसके में स्किल है उसकी योग्यता पर नौकरी मिल रही है। इस अवसर पर टेबलेट वितरण कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी हर्षिता तिवारी, प्रबंध निदेशक अमरनाथ तिवारी, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी रामशंकर उपाध्याय, राघवेंद्र सिंह प्राचार्य, महिला महाविद्यालय के प्रांगण में आदर्श आई. टी. आई. नारियाव एवं माँ सीता आई.टी.आई. लोदीपुर जमानिया के प्रधानाचार्य एस.एन. सिंह सभी छात्र एवं छात्राये, अध्यापकगण उपस्थित थे। वशिष्ठ महाविद्यालय में 202 बच्चों को तो वहीं महिला महाविद्यालय में 34 बच्चों को टेबलेट वितरित किया गया।तत्पश्चात जमानिया डाक बंगले में जनसुनवाई किया, जिसमें प्रधानगण एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यगण उपस्थित थे।

समाजसेवी बीरेंद्र कुमार सिंह ने के एम चंदा के पिता को दी बधाई, खिलाई मिठाई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अहरौरा क्षेत्र के सोनपुर गांव की रहने वाली के एम चंदा 26 वें नेशनल फेडरेशन गेम्स 2023 में अंतिम दिन चयन ट्रायल के 800 मीटर दौड़ को दो मिनट एक सेकेंड 2.01.79 प्वाइंट में क्वालीफाई करने पर गांव एवं परिवार में खुशी का माहौल है। शनिवार को समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह महादेव अपने साथियों के एम चंदा के घर सोनपुर स्थित पहाड़ी पर पहुंच कर उनके पिता सत्यनारायण प्रजापति माता हीरामनी देवी को बधाई दिया और सत्यनारायण प्रजापति सहित पूरे परिजनों का मुंह मीठा कराया । सत्यनारायण प्रजापति ने बताया कि हमें गर्व एवं खुशी है कि मेरी बेटी चंदा अपने गांव सहित पूरे क्षेत्र जिला एवं प्रदेश सहित देश का नाम रोशन कर रही है । बता दें कि सतनारायण प्रजापति को तीन बेटियां एवं एक लड़का है जिसमें चंदा उनकी सबसे बड़ी बेटी है । दूसरे नंबर पर कुमारी किरन 19 वर्ष की है जो बी ए फाइनल में है । और छोटी बेटी सीमा लगभग 18 वर्ष की है वह भी बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा है । एक लड़का मृत्युंजय प्रजापति है जो बाहर रहकर बी एस सी एवं तैयारी कर रहा है । सत्यनारायण प्रजापति अत्यंत ही गरीबी की जिंदगी जी रहे हैं उनको दमा एवं टी बी की बीमारी है जिसका दवा इलाज अपना जमीन बेचकर कर रहे हैं । सत्यनारायण का कहना है कि स्थानीय विधायक द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद भी उनको न तो आवास मिला न ही किसी प्रकार का कोई सहायता एवं सहयोग मिला । चंदा गांव की पगडंडियों से निकलकर अब के एम चंदा बन गई है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में एक नया मुकाम हासिल कर रही है इस बात की खुशी पूरे परिवार में है ।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के पुण्यतिथि पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वः राजीव गांधी के पुण्यतिथि पर 21 मई रविवार को जिला एनएसयूआई के कार्यकताओ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में किया रक्तदान और दिया संदेश जिस तरह भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वः राजीव गांधी अपने लहु का एक एक कतरा भारत को संजोने में लगा दिया उसी तरह हम सब एनएसयूआई के साथ रक्तदान कर उनको याद कर उनके पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जिलाध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय ने कहा की हम सब एनएसयूआई के साथ आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वः राजीव गांधी जी के पुण्यतिथि पर रक्तदान कर रहे हैं स्वःराजीव गांधी जी छात्रों के हितों में बात करते थे और एनएसयूआई उनके इस संदेश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष संदीप पाल, प्रदेश सचिव नीरज पाण्डेय, गौरव पटेल, रोहित यादव, अमोद यादव, जिला महासचिव अजय पाल, लकी पाल, प्रदेश उपाध्यक्ष वलय दत्त, प्रदेश सचिव अभिनव पाण्डेय, विजय यादव, रोहित सानू, पवन सिंह, कुलदीप सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

अमीरा हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

प्रखर जौनपुर। जौनपुर में सिपाह स्थित अमीरा हॉस्पिटल का शुभ उद्घाटन आईएमए के जिला अध्यक्ष डॉ अरुण कुमार मिश्रा के कर कमलों द्वारा किया गया, इस मौके पर डॉ मोहम्मद अरशद ने बताया कि इस हॉस्पिटल के खुल जाने के बाद ऐसे दूरदराज के लोग जो अच्छे इलाज के अभाव में बनारस का रुख करते हैं उनको सारी सुविधाएं हमारे अस्पताल में दी जाएगी, हॉस्पिटल में अमिला मेडिकल का भी उद्घाटन किया गया इस मौके पर आफताब अहमद जानी, रेहान अहमद, मो शाहिद, आशीष तिवारी, डॉ जाफरी, डॉ रजनीश श्रीवास्तव, अलमास, सैफ, नन्हे सिंह, अर्जान, फिरोज अहमद, धर्मेंद्र, अनिल मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

कई होटलों से धन उगाही करने वाले शातिर जालसाज गिरजाशंकर जायसवाल को नहीं मिली राहत, अभी और रहना होगा जेल में

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सत्र न्यायाधीश डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने कई संस्थाओं का सदस्य होने का धौंस देकर होटल कारोबारी से रंगदारी मांगने के दशाश्वमेध थाने के एक मामले में भेलूपुर,गौरीगंज निवासी गिरजाशंकर जायसवाल की जमानत अर्जी अपराध की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दी` अदालत में वादी राजेश तिवारी के अधिवक्ता अनुज यादव, चंद्रबली पटेल व रोहित यादव ने आरोपित की जमानत अर्जी का विरोध किया। प्रकरण के मुताबिक वादी मीरघाट स्थित एक होटल का मैनेजर था` 12 दिसंबर 2022 की रात सवा 10 बजे छित्तूपुर स्थित अपने घर जा रहा था उसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने धमकी दी कि अपने मालिक विनय चौधरी को बता देना कि गिरजा शंकर जायसवाल दरखास्त से डरने वाला नही है और वह तुम्हारे मालिक को इतना परेशान कर देगा कि उसका धंधा बंद हो जाएगा और वह बर्बाद हो जाएगा। इससे बचना है तो गिरजा को रुपये दे दो नही तो इतना बुरा करवा देगा की जो कभी उसने सोचा नही होगा इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था` अदालत ने तथ्यों व परिस्थितियों के मद्देनजर अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपित की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत में वादी के अधिवक्ता अनुज यादव ने कहा कि आरोपी एक शातिर जालसाज व्यक्ति है जो प्रतिष्ठित व्यापारियों, होटल मालिकों के विरुद्ध यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया व मानवाधिकार मिशन नई दिल्ली का सदस्य बताते हुए शिकायती प्रार्थना पत्र देकर धन उगाही करता है जबकि वह इन संगठनों से पहले ही निष्कासित हो चुका है और उसके विरुद्ध पांच मुकदमे पहले से ही लंबित है ऐसे में कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज किये जाने का अनुरोध किया गया।

रविवार से खुलेंगी जरगो कमांड की नहरें

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। किसान कल्याण समिति एवं भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की बैठक जरगों जलाशय स्थित डाकबंगला पर शनिवार को हुई । बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि जरगो जलाशय में किसानों की सिंचाई के लिए ही पानी नहीं है इसलिए जलाशय से नल से जल के लिए पानी न लिया जाए। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय संरक्षक राजेंद्र प्रसाद शास्त्री ने कहा की जरगों बांध सहित जनपद के समस्त सिंचाई हेतु बनाए गए बांधों के कमांड के किसानों तथा खेती बारी की स्थितियों को देखते हुए जल नल योजना को इन सिंचाई हेतु बनाए गए बांधों के भरोसे नं संचालित कर गंगा नदी या बोरिंग से पानी लेकर चलाया जाए अन्यथा की स्थिति में जहां एक ओर खेती बारी / किसान बर्बाद होंगे वहीं दूसरी ओर नल से जल हर घर को पानी टोटी खोल कर प्राप्त कराना भी असंभव रहेगा! शास्त्री ने कहा कि सुलिस के सामने 2:30 फुट चौड़ा और 2 फीट ऊंचा जो कंक्रीट की दीवार बनाई गई है उसमें उचित साइज के दो रेगुलेटर लगाए जांय तथा नदी में खुलने वाले रेगुलेटर की ऊंचाई बढ़ाई जाए ताकि बांध के भरा होने पर नहरों को चलाने में कोई कठिनाई न होने पाए और खेतो की सिंचाई सुरक्षित तरीके से कराई जा सके। किसान कल्याण समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष बजरंगी कुशवाहा ने कहा की जल नल योजना के कार्यदाई संस्था द्वारा गांव की गलियों खड़ंजों और लिंक रोड के किनारे खुदाई कर-के पाईप डालने के बाद उसको ठीक नहीं कराया गया है जिसके चलते आवागमन में काफी असुविधा हो रही है। और आकस्मिक दुर्घटनाओं के लोग शिकार हो रहे हैं। जरगों रविवार को सुबह से 5 दिन के लिए पूरी क्षमता के साथ खोले जाने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव किया गया। बैठक में महासचिव महासचिव धर्मदेव उपाध्याय, बीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह सहित किसान उपस्थित रहे।

वरिष्ठ साहित्यकार सुमित नेता प्रभु नारायण पाण्डेय "प्रेमी जी" ने मार्टिनगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि को किया सम्मानित

प्रखर आजमगढ़। मार्टिनगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सौरभ सिंह बीनू ने वरिष्ठ साहित्यकार प्रभु नारायण पांडे प्रेमी जी के आवास पर आकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रभु नारायण पांडे प्रेमी ने आशीर्वाद स्वरुप ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि को अंगवस्त्रम एवं आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार पांडे ने बुके देकर सम्मानित किया। श्री प्रेमी ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि की धर्मपत्नी नगर पंचायत अध्यक्ष मार्टिनगंज बनाए जाने पर बधाई देते हुए उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की। साहित्यकार पत्रकार साहित्यकार संजय कुमार पांडे ने कहा के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सौरभ सिंह बीनू बराबर साहित्यकारों पत्रकारों का सम्मान करते हैं श्री पांडे ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि को उनकी धर्मपत्नी अपूर्वा सिंह को जीत की बधाई भी दी। अपने सम्मान से अभिभूत ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सौरव सिंह बीनू ने कहा कि हमारे क्षेत्र की जनता ने जो स्नेह और सम्मान दिया मेरी धर्म पत्नी अपूर्वा सिंह को नगरपंचायत मार्टिनगंज अध्यक्ष चुना है उनके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हु और क्षेत्र के विकास हेतु हमेशा तत्पर रहुगा और आप सभी का आशीर्वाद हमें बराबर मिलता रहा है जिससे हमें सफलता मिली है। इस अवसर पर इंजीनियर रघुबंस चतुवेर्दी और वीरेंद्र यादव उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर नव निर्वाचित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष को क्लब ने दी बधाई

प्रखर जौनपुर। द मर्सी क्लब ने नवनिर्वाचित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या को उनके आवास पर पहुंच कर आज बधाई दी उक्त अवसर पर उपस्थित प्रांतीय चेयरमैन एजाज अहमद ने अध्यक्ष जी को बताया कि हमारी संस्था आपके नगर अंतर्गत समाज में समस्त सामाजिक कार्य के साथ ही आम जनमानस को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराने का कार्य करती है उपस्थित जिला प्रवक्ता रियाजुल हक ने संस्था के उद्देश्यों व कार्यों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी नगर अध्यक्ष अब्दुल सलाम ने उनका अभिवादन किया ,इस मौके पर नव निर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक कार्यों की पूर्ति हेतु जहा जरुरत पड़ेगी मै क्लब के साथ हूं। उक्त अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रतन लाल मौर्या, राजेश सिंह तथा नगर सदस्य मोहम्मद खालिद, फिरोज, शब्बीर, मनोज सेठ आदि लोग उपस्थित रहे।

बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के नगरइयाँ जहानपुर मे शनिवार की रात्रि लगभग 11 बजे बुलेट व स्प्लेंडर की आमने सामने टक्कर मे बीबीपुर गांव निवासी राहुल यादव पुत्र खरभान यादव की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बीबीपुर गांव निवासी राहुल यादव पुत्र खरभान यादव किसी की टेंट हॉउस की दुकान है वह ठेकमा टेंट के काम से गया था रात्रि करीब 11 बजे व वापस आ रहा था जैसे ही नगरइयाँ जहानपुर के पास पहुचे की सामने से विपरीत दिशा से आ रही बुलेट ने टक्कर मार दी। आनन फानन मे लोग उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुहम्मदपुर लें गए जहाँ हालात गंभीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहाँ देर रात राहुल की शहर के निजी अस्पताल मे मौत हो गई। मृतक की माँ पुष्पा देवी व पत्नी रूपम यादव का रो रो कर बुरा हाल है मृतक एक 6 माह के बच्चे का पिता है।

परमात्मा की भक्ति से ही सदगति : महेश चंद

प्रखर पिंडरा वाराणसी। संत निरंकारी मिशन के केन्द्रीय एवं ज्ञान प्रचारक महेश चंद्र ने कहाकि मानव को परोपकारी और सात्विक विचारधारा का होना चाहिये। बिना उसके जीवन, एक पशु के समान है। जीवन की सार्थकता एक दूसरे के काम आने पर ही है। उक्त बातें बाबतपुर स्थित निरंकारी भवन पर रविवार को सत्संग के दौरान भक्तों को सम्बोधित करते हुए कही। केंद्रीय प्रचारक ने कहाकि इस इंसानी जीवन में हमें मानवीय गुणों को धारण करते हुए जीवन में एकरस होकर इंसानियत और रूहानियत का सफर तय करते हुए एक ईश्वर व परमात्मा की भक्ति करनी चाहिए। परमात्मा की भक्ति व मानव सेवा ही जीवन में सदगति मिलेगी। उन्होंने कहाकि सद्गुरु के वाणी को जन जन तक पहुँचाना ही मिशन का उद्देश्य है। सत्संग के अंत मे प्रसाद का वितरण किया गया। जिसमे सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद लिया। इस दौरान मुखी जितेंद्र सिंह, डॉ पी०के राय, डॉ बी०के सिंह, विवेक कनौजिया, दिनेश विश्वकर्मा, लालजी, सुरेश, वीरेंद्र, रंजीत, बिंदु एवं निर्मला समेत सैकड़ों भक्तगण उपस्थित रहे।

नवंबर से नहीं मिला कमीशन कोटेदार कैसे करें वितरण का कार्य : राजेश तिवारी

प्रखर जौनपुर। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने एक कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के कोटेदारों का सात महीने से कमीशन का भुगतान नहीं किया है ऐसे हालत में कोटेदार अपने परिवार का भरण कैसे करेंगे।इसके लिए प्रदेश की सरकार को चिंता नहीं है खुलें मंच से बस ठिडोरापीटती है कि हमारी सरकार ने प्रदेश में निशुल्क खाद्यान्न वितरण करवा रहीं हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जो वितरण कर रहा है।वह भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। लेकिन यह सब अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।जल्द ही प्रदेश स्तरीय बैठक रखी जायेगी।और उसमें सरकार से अपना हक लेने के लिए योजना बनाई जाएगी। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा कि प्रदेश की सरकार के पास रोज न ई तकनीक लगानें के लिए पैसा आ रहा है। लेकिन राशन डीलरो का कमीशन बढ़ाने के लिए इनके पास पैसा नहीं है हर काम के लिए कोटेदार को पहले खड़ा किया जाता है।जब काम खत्म हो जाता है तो कोटेदार को भुल जाते हैं। लेकिन इस बार यह गलती कोटेदार नहीं करेंगे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं